कार्तिक कृष्ण - 11 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 94 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 27-10-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 अश्विन और जडेजा से हर मैच में जीत दिलाने की उम्मीद करना अनुचित है : रोहित शर्मा

6 एयर कमोडोर हरचरण सिंह : दुश्मन की गोलियां भी नहीं रोक पाईं विमान, हौसला था इतना ऊंचा, जितना आसमान

7 मृणाल ठाकुर ने ऋषिकेश में 'सर्वश्रेष्ठ पर्यावरण' की दिखाई झलक

फर्स्ट टेक

रूस ने किया यूक्रेन के कीव पर ड्रोन हमला, कई लोग हताहत

कीव/एपी। यूक्रेन की राजधानी कीव में रात के समय हुए रूसी ड्रोन हमले में एक किशोर की मौत हो गई, जबकि मध्य यूक्रेन में मिसाइल हमले में चार लोगों की मौत हो गई तथा कम से कम 20 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कीव के मेयर विटाली क्लित्स्को के अनुसार, शुक्रवार रात शहर के पश्चिम में 25 मंजिला एक रिहायशी इमारत पर ड्रोन गिरा, जिससे 15 वर्षीय एक किशोरी की मौत हो गई जबकि पांच अन्य घायल हो गए। यूक्रेन की आपातकालीन सेवा ने कहा कि हमले के बाद 100 लोगों को वहां से निकाला गया। हमले में इमारत की ऊपरी मंजिल क्षतिग्रस्त हो गई। कीव के स्थानीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख सेरही पोपको ने कहा कि रूसी सेना ने रात भर शहर पर साढ़े सात घंटे तक हमला किया।

ईमेल के जरिए उड़ानों के लिए धमकी भरे संदेश भेजने का आरोपी दिल्ली का व्यक्ति गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर एक उड़ान के लिए कथित तौर पर धमकी भरे संदेश भेजने के आरोप में 25 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी के उत्तम नगर के निवासी शुभम उपाध्याय ने टीवी पर इस तरह की खबरें देखीं और फिर ध्यान आकर्षित करने के लिए दो धमकी भरे संदेश पोस्ट किए। पुलिस उपायुक्त (आईजीआई) उषा रंगनानी ने बताया कि 26 और 29 अक्टूबर की मध्य रात्रि को आईजीआई हवाई अड्डे को एक ईमेल अकाउंट से बम रखे होने के संबंध में दो धमकी भरे संदेश भेजे गए। खुफिया जानकारी और तकनीकी निगरानी के आधार पर, उपाध्याय को पकड़कर पूछताछ की गई।

शनिवार को 30 से अधिक उड़ानों में बम रखे होने की धमकी मिली

नई दिल्ली/भाषा। देशभर में शनिवार को 33 उड़ानों में बम रखे होने की धमकी मिली। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, 13 दिनों में भारतीय विमानन कंपनियों द्वारा संचालित 300 से अधिक उड़ानों में बम रखे होने झूठी धमकियां मिली हैं। सूत्रों ने बताया कि अधिकांश धमकियां सोशल मीडिया के माध्यम से दी गईं। धमकियों के बीच, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंचों से कहा कि वे उचित सावधानी बरतें और आईटी नियमों के तहत निर्धारित समयसीमा के भीतर गलत सूचना तक पहुंच को तुरंत हटाएं।

27-10-2024 सूर्यास्त 5:54 बजे | 28-10-2024 सूर्योदय 6:12 बजे

BSE	NSE
79,402.29	24,180.80
(-662.87)	(-218.60)

सोना 8,200 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 102,074 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सजा और तारीख

पकड़े जाएं ना अपराधी,
जब तक सबूत ना लाएंगे।
यदि जो सबूत भी ले आए,
अधिवक्ता गलत बताएंगे।
सम्मन तारीखें दे-दे कर,
जज बारम्बार बुलाएंगे।
उनको देंगे तब तक नोटिस,
जब तक ना वे मर जाएंगे।।

इजराइल ने ईरान में किए हवाई हमले

पश्चिम एशिया में बढ़ती हिंसा के बीच इस हमले से दोनों कट्टर दुश्मनों के बीच पूर्ण युद्ध की आशंका बढ़ गई है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरूशलम/एपी। इजराइल ने शनिवार तड़के ईरान पर सिलसिलेवार तरीके से हमले किए और कहा कि हमलों में उन स्थानों को निशाना बनाया है, जहां उसके देश पर दागी गईं मिसाइलें बनाई गई थीं।

पश्चिम एशिया में बढ़ती हिंसा के बीच इस हमले से दोनों कट्टर दुश्मनों के बीच पूर्ण युद्ध की आशंका बढ़ गई है। गाजा में ईरान समर्थित चरमपंथी समूह हमास और लेबनान में हिज्बुल्ला पहले ही इजराइल से युद्ध लड़ रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र बाल एजेंसी के अनुसार, लेबनान में युद्ध के कारण 12 लाख लोगों को बेघर होना पड़ा है, जिनमें चार लाख से ज्यादा बच्चे शामिल हैं। सितंबर में लड़ाई तेज होने के बाद से इजराइली हमलों में हिज्बुल्ला के कई शीर्ष नेता मारे गए हैं।

गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार क्षेत्र में इजराइल के हमलों में 42,000 से अधिक फलस्तीनी मारे गए हैं।

इजराइल-हमास युद्ध सात अक्टूबर, 2023 को इजराइल पर हमास के हमले के बाद शुरू हुआ था। हमास के हमले में इजराइल में 1,200 लोग मारे गए थे जबकि 250 लोगों को बंधक बना लिया गया था।

ईरान जवाब देगा

ईरान के विदेश मंत्रालय ने सैन्य ठिकानों पर इजराइली हमलों की निंदा की और कहा कि ईरान जवाब देगा। विदेश मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि ये हमले अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का स्पष्ट उल्लंघन हैं। मंत्रालय ने संयुक्त राष्ट्र घोषणापत्र के अनुच्छेद 51 में अंतर्निहित आत्मरक्षा के अधिकार का जिक्र करते हुए कहा कि विदेशी आक्रमण का जवाब देना उसका दायित्व है।

इजराइली हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर चार हुई : ईरान

तेल अवीव/एपी। ईरान ने शनिवार को कहा कि देश के सैन्य प्रतिष्ठानों पर इजराइल की ओर से किए गए हवाई हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए ने अपनी खबर में बताया कि चारों मृतक देश के वायु रक्षा प्रतिष्ठानों में कार्यरत थे। हालांकि, उसने यह नहीं बताया कि वे देश के किस हिस्से में तैनात थे। इजराइल ने ईरान के सैन्य प्रतिष्ठानों पर शनिवार तड़के कई हवाई हमले किए।

ईरान के दक्षिण पूर्व प्रांत में पुलिस काफिले पर हमला, 10 अधिकारियों की मौत

दुबई/एपी। ईरान के अशांत दक्षिण पूर्वी प्रांत सिस्तान - बलूचिस्तान प्रांत में शनिवार को पुलिस के काफिले पर हुए हमले में कम से कम 10 पुलिस अधिकारी मारे गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्राप्त जानकारी के मुताबिक हमला ईरान की राजधानी तेहरान से लगभग 1,200 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित गौहर कुह में हुआ। हालांकि, इसकी विस्तृत जानकारी उपलब्ध नहीं है।

शुरुआती खबरों में केवल यह कहा गया था कि 'उपद्रवी तत्वों' द्वारा हमला किया गया है लेकिन कुछ ही देर बाद, ईरान की सरकारी मीडिया ने बताया कि 10 अधिकारी मारे गए हैं।

अफगानिस्तान, ईरान और पाकिस्तान में रहने वाले बलूच लोगों के लिए काम करने वाले समूह 'हालवाश' ने एक ऐसे ट्रक की तस्वीर और वीडियो साझा किया जिस पर ईरानी पुलिस वाहनों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली हरी पट्टी लगी हुई है।

ईरान की सेना ने गाजा और लेबनान में संघर्षविराम का सुझाव दिया

तेल अवीव/एपी। ईरान की सेना ने शनिवार रात एक बयान जारी किया जिसमें गाजा पट्टी और लेबनान में संघर्षविराम का सुझाव दिया गया। इस संबंध में ईरानी सेना की ओर से जारी बयान में कहा गया कि उसे इजराइल के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने का अधिकार है, लेकिन बयान से ऐसे संकेत मिलते हैं कि तेहरान शनिवार तड़के हुए इजराइल के हमले के बाद तनाव को और बढ़ने से रोकने का रास्ता तलाशने की कोशिश कर रहा है। ईरान की सेना ने कहा कि इजराइल ने हमलों में इराकी हवाई क्षेत्र से तथाकथित ''स्टैंड-ऑफ'' मिसाइलों का इस्तेमाल किया और ईरान के तीन प्रांतों में लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए ये हथियार बहुत हल्के थे।

धर्म भारतीय संस्कृति की सबसे मौलिक अवधारणा है : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि धर्म भारतीय संस्कृति की सबसे मौलिक अवधारणा है, जो जीवन के सभी पहलुओं का मार्गदर्शन करती है और धर्म द्वारा प्रेरित समाज में अन्याय के लिए कोई स्थान नहीं है। उन्होंने कहा कि धर्म का मार्ग-पथ और गंतव्य एवं लक्ष्य दोनों का प्रतिनिधित्व करता है जो प्राणियों समेत अस्तित्व के सभी क्षेत्रों पर लागू होता है और धार्मिक जीवन के लिए काल्पनिक आदर्श की जगह व्यावहारिक आदर्श के रूप में कार्य करता है। उन्होंने कहा, सनातन का अर्थ है सहानुभूति, करुणा, सहिष्णुता, अहिंसा, सदाचार, धार्मिकता और ये सभी एक शब्द समावेशिता में समाहित हैं।

श्रृंगेरी श्री शारदा पीठम द्वारा सुवर्ण भारती महोत्सव के तहत आयोजित 'नमः शिवाय' पारायण में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए धनखड़ ने मंत्र कॉस्मोपॉलिस' को एक दुर्लभ और शानदार आयोजन बताया, जो मन, हृदय और आत्मा को गहराई से जोड़ता है और सभी के साथ सद्भाव में रहता है। उन्होंने कहा, ''मानवता की सबसे प्राचीन और निरंतर मौखिक परंपराओं में से एक वैदिक मंत्रोच्चार, हमारे पूर्वजों के गहन आध्यात्मिक ज्ञान के लिए एक जीवंत कड़ी के रूप में कार्य करता है।'' उपराष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता इसकी विविधता में एकता है, जो समय के साथ विभिन्न परंपराओं के सम्मिश्रण से बनी है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा ने विनम्रता और अहिंसा के मूल्यों को स्थापित किया है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में

पाकिस्तान के 'राजनीतिक दुष्प्रचार' की भारत ने आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। भारत ने महिला, शांति और सुरक्षा (डब्ल्यूपीएस) एजेंडे पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की बैठक के दौरान पाकिस्तान के ''शरारती उकसावे'' और ''राजनीतिक दुष्प्रचार'' की आलोचना करते हुए कहा कि देश में अल्पसंख्यक समुदायों, विशेष रूप से हिंदू, सिख और ईसाई महिलाओं की स्थिति दयनीय बनी हुई है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने शुक्रवार को यूएनएससी में कहा, ''यह निंदनीय है, लेकिन पूरी तरह से अनुमान के अनुरूप है कि एक प्रतिनिधिमंडल ने गलत और भ्रामक सूचनाएं फैलाने की अपनी आजमाई हुई रणनीति के आधार पर शरारती उकसावे को हवा देने का विकल्प चुना है।''

हरीश ने ''बदलते परिवेश में शांति स्थापित करने वाली महिलाएं'' विषय पर यूएनएससी में आयोजित खुली बहस में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

पाकिस्तान द्वारा कश्मीर मुद्दे को फिर से उठाए जाने पर हरीश ने जोरदार जवाब देते हुए कहा, ''इस महत्वपूर्ण वार्षिक बहस में इस तरह के राजनीतिक दुष्प्रचार में लिप्त होना पूरी तरह से गलत है।'' उन्होंने कहा, ''हम अच्छी तरह जानते हैं कि उस देश (पाकिस्तान) में अल्पसंख्यक समुदायों, विशेष रूप से हिंदू, सिख और ईसाई महिलाओं की स्थिति दयनीय बनी हुई है।''

हरीश ने कहा कि पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग के आंकड़ों के अनुसार, इन अल्पसंख्यक समुदायों की अनुमानित एक हजार महिलाएं हर साल ''अपहरण, जबरन धर्म परिवर्तन और जबरन विवाह'' का शिकार होती हैं। खैर, मैं और भी बातें कर सकता हूं, लेकिन मैं यहीं समाप्त करूंगा।''

इस दौरान भारत ने महिला, शांति और सुरक्षा (डब्ल्यूपीएस) एजेंडे के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता दोहराई।

आदिवासियों के पारंपरिक ज्ञान को बचाने की जरूरत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने औषधीय गुणों वाली जड़ी-बूटियों और पेड़-पौधों के बारे में ग्रामीणों और आदिवासियों के पारंपरिक ज्ञान के दस्तावेजीकरण पर जोर दिया है, जिससे ऐसे ज्ञान को विलुप्त होने से बचाया जा सके।

नवा रायपुर में पंडित दीनदयाल स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि छत्तीसगढ़ में जड़ी-बूटियों और औषधीय पौधों का खजाना है, जिसके बारे में ग्रामीणों और आदिवासियों के पास अपार ज्ञान है। उन्होंने कहा, इस राज्य में जड़ी-बूटियों का अकूत भंडार है। बीजा और धावड़ा जैसे पेड़ों के औषधीय महत्व के बारे में ग्रामीण तथा जनजातीय भाई-बहन जानते हैं। इस ज्ञान भंडार का दस्तावेजीकरण और मानकीकरण करके इन्हें विलुप्त होने से बचाया जा सकता है। यहां के वनवासियों के ज्ञान भंडार पर शोध को बढ़ावा देने से, ऐसी जानकारी का विज्ञान-सम्मत उपयोग व्यापक स्तर पर हो सकेगा। इस क्षेत्र में उद्यम और रोजगार की संभावनाएं भी बढ़ेंगी।

राष्ट्रपति ने कहा कि अब भी मलेरिया, फाइलेरिया और तपेदिक जैसी संक्रामक बीमारियों का पूरी तरह से उन्मूलन नहीं हो पाया है तथा भारत सरकार इन रोगों के उन्मूलन के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है।

कॉर्पोरेट्स के लिए कर रिटर्न दाखिल करने की समयसीमा 15 दिन तक बढ़ी

नई दिल्ली/भाषा। आयकर विभाग ने शनिवार को मूल्यांकन वर्ष 2024-25 के लिए कॉर्पोरेट्स द्वारा आयकर रिटर्न दाखिल करने की समय सीमा 15 दिन बढ़ाकर 15 नवंबर तक कर दी। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने एक परिपत्र में कहा कि पिछली 31 अक्टूबर की समयसीमा बढ़ायी जाएगी। मूल्यांकन वर्ष 2024-25 (वित्त वर्ष 2023-24 के लिए कर रिटर्न दाखिल करने) के लिए नई समयसीमा अब 15 नवंबर है।

जाति, भाषा या प्रांत के भेद से

यदि हम बटेंगे तो निश्चित रूप से कटेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा (उप्र)/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने शनिवार को कहा कि यह सही ही है कि यदि 'हम (हिन्दू समाज) जाति, भाषा या प्रांत के भेद से बटेंगे, तो निश्चित रूप से कटेंगे, इसीलिए हिन्दू समाज में एकता आवश्यक है।

वह यहां दीनदयाल उपाध्याय गौ विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र परिसर में आयोजित संघ के अखिल भारतीय कार्यकारी मण्डल की द्विदिवसीय बैठक के समापन पर संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा हाल में दिए गए बयान ''बंटेंगे तो कटेंगे'' के संदर्भ में होसबाले ने कहा, हिंदू समाज एकता से नहीं रहेगा तो आजकल की भाषा में 'बंटेंगे तो कटेंगे' हो सकता है।

होसबाले ने कहा, यह सही है कि यदि हम (हिन्दू समाज) जाति, भाषा या प्रांत के भेद से बटेंगे, तो निश्चित रूप से कटेंगे, इसीलिए हिन्दू समाज में एकता आवश्यक है। उन्होंने कहा,''हिन्दू एकता लोक कल्याण के लिए है। अपने को बचाए रखने और दूसरों का भी मंगल करने के लिए हिन्दू एकता आवश्यक है, इसीलिए हम यह एकता बनाए रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा, यह केवल कह देने से ही नहीं होगा। इसके लिए प्रयत्न करने पड़ते हैं। हमें इसे आचरण में लाना पड़ता है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं।

क्रिप्टोकरेंसी बहुत बड़ा जोखिम : आरबीआई गवर्नर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को कहा कि क्रिप्टोकरेंसी वित्तीय स्थिरता और मौद्रिक स्थिरता के लिए बहुत बड़ा जोखिम है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इससे ऐसी स्थिति पैदा हो सकती है, जहां केंद्रीय बैंक अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति पर नियंत्रण खो देगा।

दास ने कहा, मेरा मानना है कि यह ऐसी चीज है, जिसे वित्तीय प्रणाली पर हावी होने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। इसमें वित्तीय स्थिरता के लिए बहुत बड़ा जोखिम है। इसमें मौद्रिक स्थिरता के लिए बहुत बड़ा जोखिम है। यह बैंकिंग प्रणाली के लिए भी जोखिम पैदा करता है। उन्होंने प्रमुख थिंक-टैंक पीटरसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स में कहा कि यह ऐसी स्थिति भी पैदा कर सकता है, जहां केंद्रीय बैंक अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति पर नियंत्रण खो देगा।

दास ने कहा कि यदि केंद्रीय बैंक अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति पर नियंत्रण खो देगा है, तो प्रणाली में उपलब्ध नकदी की जांच कैसे होगी। उन्होंने आगे कहा कि संकट के समय मुद्रा आपूर्ति को नियंत्रित कर केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति को नियंत्रित करता है। इसलिए, हम क्रिप्टो को एक बड़े जोखिम के रूप में देखते हैं। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि इस पर अंतरराष्ट्रीय समझ बननी चाहिए, क्योंकि इसका सीमापार लेनदेन होता है। आरबीआई गवर्नर ने कहा, क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े बड़े जोखिमों के बारे में पूरी तरह सचेत रहना चाहिए। मुझे लगता है कि इसे प्रोत्साहित नहीं किया जाना चाहिए। यह राय बहुत लोकप्रिय नहीं है, लेकिन मुझे लगता है कि वित्तीय स्थिरता के संरक्षक के रूप में यह दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है।

दास ने कहा कि सरकारें भी क्रिप्टोकरेंसी में संभावित नकारात्मक जोखिमों के बारे में तेजी से जागरूक हो रही हैं।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कर्नाटक होजरी एवं गारमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रकाश भोजानी, उपाध्यक्ष पीएच राजपुरोहित, नरपतसिंह राजपुरोहित, सचिव कैलाश बालर, सहसचिव बिशनसिंह वीराणा, कोषाध्यक्ष जोगेश जैन एवं पूर्व अध्यक्ष सज्जनराज मेहता ने एफकेसीसीआई के नवनिर्वाचित अध्यक्ष एमजी बालकृष्णा का राजस्थानी साफा पहनाकर सम्मान किया।

सहज स्मृति योग

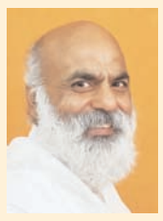

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, आपके सत्संग में मिले निष्कर्षों पर कई वर्ष किए मनोमंथन के फलस्वरूप यह प्रश्न पूछ रहा हूँ कि, जब आपकी दृष्टि में न समय का अस्तित्व है और न काल का, ना अवधि का, तो फिर आप हो ही कैसे पा रहे हो? और हो ही क्यों और कैसे ? और करते क्या हो आप? रहते कहाँ हो आप ? कौन हो आप ?

उत्तर: मैं भी आप सब की तरह ही नितांत सामन्य मानव हूँ। इसमें मुझे या मुझसे मिलने वाले, मेरे साथ रहने वाले किसी जन को कोई संदेह नहीं है।हम अपनी परम् लघुतम चेतना का गुरुतम चेतना में अखंड निवेश करते हैं ताकि मुमुक्षुओं को वर्तमान में अवसर उपलब्ध रहे। यही हमारा काम है। संसार की दृष्टि से देखो तो बस केवल इसीलिए हूँ।सार दृष्टि में बात और है। चेतना को होने के लिए समय की आवश्यकता नहीं होती। जबकि, समय को होने के लिए चेतना की आवश्यकता होती है क्योंकि समय चेतना का ही एक परम् सूक्ष्म रूप है, इसलिए हम हो पा रहे हैं। अपने कारण स्वरूप में समय स्वयं ही सनातन चैतन्य से उद्भूत है। आप स्वयं चिंतन कीजिए कि मनुष्य रूप में जीवात्मा यदि गुरु विहीन होकर अधोगति में न गिरे तो लघु चेतना (शिष्य चेतना) गुरु चेतना में रहने के अतिरिक्त और रह ही कहाँ सकती है ? (मेरा स्थूल आश्रम या आश्रय तथा निवास या आवास तो आप पूछ नहीं रहे वह तो आप जानते ही हो।) और जैसी गुरु चेतना है वैसी होने के अतिरिक्त शिष्य चेतना और हो ही कैसी सकती है? आपके अंतिम प्रश्न का समाधान तो आरंभ में ही दे दिया है।

प्रोत्साहन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के आरएनएस इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी द्वारा फिट इंडिया हिट इंडिया अभियान के तहत 5किलोमीटर का रन स्टेप अप दौड़ का आयोजन किया गया, इस दौड़ से अर्जित धन को सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों की शिक्षा के लिए उपयोग किया जाएगा। शनिवार को आरएनएस इंस्टीट्यूट के विद्यार्थियों ने रामनगर क्षेत्र के पांच सरकारी स्कूलों के बच्चों में स्कूल बैग एवं नोटबुक्स का वितरण किया। इस अवसर पर उपस्थित मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया। कॉलेज की ओर से मुणोत का सम्मान किया गया।

तेयुप से दीपावली को अहिंसा और सात्विकता से मनाने पर बल दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ विजयनगर परिषद विजयनगर के सदस्यों ने साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी के सान्निध्य में अभातेयुप जैन संस्कार विधि के राष्ट्रीय सहप्रभारी विकास बांठिया की उपस्थिति में दीपावली पूजन कार्यशाला का आयोजन किया गया। साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी ने गुरुदेव गणाधिपति तुलसी के अवदान जैन संस्कार विधि की महत्ता बताते हुए त्योहारों को अहिंसा और सात्विकता से मनाने पर बल दिया। साध्वीश्री आस्थाप्रभाजी ने महावीर अष्टकम का संगान किया। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने स्वागत किया। संस्कारक विकास बांठिया ने जैनत्व की पुष्टित एवं अहिंसक विधि को अपनाने की पहल करने का श्रावक समाज से आह्वान किया। संस्कारक राकेश दुधोडिया ने पूरी प्रक्रिया को विस्तार से बताया। इस मौके पर तेयुप के पूर्व अध्यक्ष राकेश पोखरणा, सम्पत चावत, अभिषेक कावड़िया, अमित दक, श्रेयांस गोलछा, महिला मंडल अध्यक्षा मंजु गादिया, विजयनगर की संस्कारक टीम व अन्य संघीय संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन तेयुप सहमंत्री कमलेश दक ने किया। आभार जैन संस्कार विधि संयोजक धीरज भदानी ने किया। आगामी कार्यशाला वीतराग पथ की सूचना तेयुप मंत्री संजय भटेवरा ने दी।

'हमें हमेशा मीठा और सोच समझकर बोलना चाहिए'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा समृद्ध राष्ट्र योजना के तहत बच्चों में सद् संस्कारो के सिंचन हेतु संस्कारशाला के अंतर्गत 'पहले तोलो फिर बोलो' विषय पर कार्यशाला का आयोजन मालगला स्थित सरकारी प्रायमरी स्कूल में किया। अध्यक्ष मंजू गादिया ने सभी का स्वागत करते हुए बच्चों को मेडिटेशन एवं यौगिक क्रियाएं करवाई। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता एवं ट्रेनर पिंकी टेबा ने कहा कि शब्द हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। वाणी के अच्छे प्रयोग से हम अपने किसी भी कार्य को अच्छी तरह पूरा कर पाते हैं। हमें हमेशा मीठा और सोच समझकर बोलना चाहिए। जिसकी वाणी अच्छी होती है उसका सभी लोग सम्मान करते हैं। जो व्यक्ति बिना सोचे बिना तोल बोलता है वह जीवन में आगे नहीं बढ़ सकता। कार्यक्रम में कार्यशाला की संयोजिका रक्षा मांडोत सहित 50 स्कूली बच्चों व शिक्षकों की उपस्थिति रही।

हमें पार्टी को भावी पीढ़ी को सौंपने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए : चंद्रबाबू नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को कहा कि पार्टी के सभी नेताओं को ''भविष्य की पीढ़ी'' को कमान सौंपने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

नायडू ने तेदेपा के सदस्यता अभियान की औपचारिक रूप से शुरुआत करने के बाद पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि तेलुगु देशम पार्टी ने कई चुनौतियों और संकट का सामना किया है। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद तेदेपा ने सफलतापूर्वक सभी चुनौतियों का सामना किया और भविष्य में भी यह शक्तिशाली बनी रहेगी। यह पहली बार है, जब नायडू ने पार्टी के भावी नेतृत्व के बारे में सार्वजनिक रूप से बात की है। उन्होंने कहा, पहले कई लोगों को लगा था कि तेलुगु देशम पार्टी खत्म हो गई है। लेकिन, तेदेपा हमेशा के लिए बनी रही और हमेशा रहेगी। हम सभी को पार्टी की कमान भावी पीढ़ी को सौंपने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। हम सभी (पार्टी के) केवल ट्रस्टी हैं। हम केवल उत्तराधिकारी हैं (पार्टी के)...और हमारी जिम्मेदारी है कि जो हमें विरासत में मिला है, उसे भविष्य में उत्तराधिकारियों को सौंपें। तेदेपा ने यहां अपना सदस्यता अभियान शुरू किया, जिसमें नायडू 100 रुपए देकर सदस्य बने। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि तेदेपा देश की पहली ऐसी राजनीतिक पार्टी है, जिसने अपने कार्यकर्ताओं को बीमा कवर देना शुरू किया है। नायडू के मुताबिक प्रत्येक सदस्य को अन्य लाभों के अलावा पांच लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा कवर भी मिलेगा। नायडू ने कहा कि तेदेपा संस्थापक एन टी रामाराव के आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री बनने के बाद ही तेलुगु लोगों को मान्यता मिली।

उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि तेदेपा उन कार्यकर्ताओं के साथ खड़ी रहेगी, जिन्हें पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान कष्ट सहना पड़ा था।

पंजाब: किसानों ने धान खरीद में देरी के खिलाफ प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

फगवाड़ा/भाषा। किसान मजदूर मोर्चा (केएमएम) के बैनर तले किसानों ने धान की खरीद व उठान में देरी तथा अन्य मुद्दों के खिलाफ शनिवार को पंजाब में कुछ स्थानों पर प्रदर्शन कर अनिश्चित काल के लिए सड़कें जाम कर दीं।

किसान नेताओं ने बताया कि संगरूर में संगरूर-बठिंडा राजमार्ग पर बदरुखां, मोगा में मोगा-फिरोजपुर राजमार्ग पर डगरू, गुरदासपुर में गुरदासपुर-टांडा राजमार्ग पर सतियाली फूल और बटाला रेलवे स्टेशन पर प्रदर्शन किया गया। फगवाड़ा में किसान पिछले कई दिनों से अमृतसर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर प्रदर्शन कर रहे हैं। संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा धान की खरीद नें देरी के खिलाफ राज्यव्यापी सड़क जाम करने के बाद किसानों ने विरोध प्रदर्शन किया। केएमएम नेता सरवन सिंह पंधेर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से किसानों के मुद्दों को हल करने का अनुरोध किया। उन्होंने प्रधानमंत्री से अपील की, किसानों के मुद्दों को हल करने के लिए हमारी 'फरियाद' सुनें। पंधेर ने कहा कि फगवाड़ा, बटाला, संगरूर और मोगा जिलों में किसानों का विरोध अनिश्चितकालीन होगा। पंधेर ने व्यापारियों व समाज के अन्य वर्गों से किसानों के साथ सहयोग करने का आग्रह किया और नाकेबंदी के कारण लोगों को हो रही असुविधा पर खेद भी जताया। भारतीय किसान यूनियन (दोआब) के अध्यक्ष मंजीत सिंह राय और महासचिव सतनाम सिंह साहनी ने भी प्रदर्शनकारियों को संबोधित किया। पुलिस ने यातायात को वैकल्पिक मार्गों पर परिवर्तित कर दिया लेकिन नाकेबंदी के कारण यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ा।

'राष्ट्र की रक्षा में ही है धर्म की सुरक्षा'

मैसूरु भारतीय वायुसेना स्टेशन में आयोजित हुआ विशेष कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। स्थानीय भारतीय वायुसेना के मैसूर स्टेशन में आचार्यश्री विमलसागरसूरीजी की निश्रा में एयरफोर्स सिलेक्शन बोर्ड के प्रमुख एयर कमांडर ललितकुमार की उपस्थिति में एक विशेष समारोह का आयोजन किय। इस अवसर पर विभिन्न प्रान्तों से आये भारतीय वायुसेना के अलग-अलग विभागों के अनेक पदाधिकारी और प्रतिनिधि अपने परिवार के साथ उपस्थित थे। सभी ने स्टेशन पहुंचने पर जैनाचार्य का भावभीना स्वागत कर उनकी अगवानी की। फिर सभी ने अपने-अपने दायित्वों और अनुभवों को साझा कर कार्यक्रम को यादगार बना दिया। श्रमण परिवार के सामूहिक मंगलाचरण से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। एयरफोर्स के सभी अधिकारियों ने जैनाचार्य को आहार अर्पण कर आशीर्वाद ग्रहण किए। रवानगी के समय आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि जीवन तो हर कोई जीता है। रोटी-कपड़ा हर किसी को नसीब हो जाता है। जिसके आशियाना नहीं होता, वो फुटपाथ पर पर जिंदगी बिता देता हैं। लेकिन महान् कर्तव्यों और उद्देश्यों के लिए जो जीवन जीया जाता है, वही जीवन सफल कहा जाता है।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि साधु और सैनिक, दोनों की एक जैसी भूमिका है। साधु समाज को भीतरी शत्रुओं से बचाने का काम करते हैं। सैनिक बाहर के शत्रुओं से हमारी रक्षा करते हैं। वे दिन-रात जागते रहते हैं तब कहीं हम चैन की नींद सो सकते हैं। सिर्फ साधन-सामग्री और सुविधाओं से हम सुखी हैं, ये मानकर चलना हमारा बहुत बड़ा भ्रम हैं। वास्तविकता यह है कि राष्ट्र की सरहदें यदि सुरक्षित हैं तो हम सुखी हैं और यह सोच हम सबके भीतर गहरे उतरनी चाहिए। सेना और सैनिकों के बलिदानों को कभी कम नहीं आंका जा सकता।

वैसे आजीविका चलाने के लिए काम तो कोई भी किया जा सकता है, लेकिन सैनिक होना सबसे जोखिम भरा है। सिनेमा, होटल, गाड़ियां, खेल, मित्र और मनोरंजन में रचे-पचे लोग सेनाओं के बलिदानों की कीमत नहीं समझ सकते। कल्याण मित्र वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान, अशोक दांतेवाडिया, चेनसिंह राजपुरोहित, जीतू जैन, भंवरलाल लुंकड, प्रवीण दांतेवाडिया, जितेंद्र लुंकड और जीतो मैसूर चैप्टर के गौतम सालेचा व अन्य पदाधिकारी विशेष रूप से उपस्थित थे।

केजरीवाल की हत्या की साजिश रची गई, उन्हें कुछ हुआ तो भाजपा होगी जिम्मेदार : आम आदमी पार्टी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) ने शनिवार को अपने संयोजक अरविंद केजरीवाल की हत्या की ''गहरी साजिश'' का आरोप लगाया और चेतावनी दी कि अगर उन्हें कुछ भी हुआ तो इसके लिए भाजपा जिम्मेदार होगी।

आप नेताओं ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि पश्चिमी दिल्ली के विकासपुरी में पदयात्रा के दौरान केजरीवाल पर ''भाजपा के गुंडों'' ने हमला किया। आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने प्रेसवार्ता में आरोप लगाया, घटना में पुलिस की मिलीभगत साफ तौर पर केजरीवाल की हत्या की गहरी साजिश को दर्शाती है। भाजपा उनकी जान की दुश्मन बन गई है। सिंह के आरोपों पर पुलिस या भाजपा की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी है। आप नेता ने कहा कि विकासपुरी की घटना के बावजूद केजरीवाल तय कार्यक्रम के अनुसार पदयात्रा अभियान जारी रखेंगे। जब उनसे पूछा गया कि पार्टी ने इस घटना के संबंध में कोई शिकायत क्यों नहीं दर्ज कराई, तो सिंह ने कहा कि अगर पुलिस ''निष्पक्ष'' होती और उसके अधिकारी हमलावरों के समूह को रोकने के लिए कुछ करते तो यह घटना नहीं होती। उन्होंने दावा किया कि हमलावर भाजपा की युवा शाखा के थे। आप नेता ने कहा कि पुलिस घटना का संज्ञान लेकर जांच कर सकती है।

एनजीओ ने अश्लील सामग्री प्रसारित करने वाले ओटीटी मंचों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की

नई दिल्ली/भाषा। एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) ने कथित अश्लील सामग्री प्रसारित करने के लिए ओटीटी मंचों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। एनजीओ ने कहा है कि ऐसे कार्यक्रम भारत के सामाजिक ताने-बाने को प्रभावित कर रहे हैं।

पूर्व सूचना आयुक्त उदय माहुरकर द्वारा स्थापित 'संस्कृति बचाओ, भारत बचाओ फाउंडेशन' ने ओटीटी मंच ''एएलटीटी'' के प्रवर्तकों के खिलाफ अश्लील सामग्री प्रसारित करने के लिए मुंबई पुलिस में शिकायत दर्ज कराने का दावा किया है। एक बयान में, माहुरकर ने ओटीटी मंचों की आलोचना की क्योंकि वे दर्शकों के लिए कथित रूप से अश्लील और हानिकारक सामग्री को खुले तौर पर उपलब्ध करा रहे हैं।

एनजीओ से जुड़े वकील विनीत जिंदल ने कहा, अगर इस पर अंकुश नहीं लगाया गया तो इस तरह की सामग्री से ऐसा हानिकारक माहौल बनेगा, जहां यौन दुर्व्यवहार सामान्य हो जाएंगे और इससे हमारे देश का सामाजिक ताना-बाना कमजोर होगा।

राज्य का दर्जा बहाल करना नीतिगत मामला, राजनीतिक मुद्दा नहीं : रैना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जम्मू-कश्मीर इकाई के प्रमुख रविंदर रैना ने शनिवार को कहा कि केंद्र शासित प्रदेश का राज्य का दर्जा बहाल करना कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि नीतिगत मामला है।

रैना ने कहा कि इस विषय पर किसी भी तरह की जल्दबाजी से बचना चाहिए क्योंकि पिछले 35 वर्षों में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के कारण जम्मू-कश्मीर पहले ही काफी नुकसान उठा चुका है। रैना, उधमपुर जिले में भाजपा के कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं को संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम 1947 में जम्मू-कश्मीर के भारत में विलय को औपचारिक दस्तावेज पर अंतिम डोगरा शासक महाराजा हरि सिंह के हस्ताक्षर किए जाने की वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित किया गया था। रैना ने लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर का प्रत्येक नागरिक देश की एकता और अखंडता के लिए अथक प्रयास करता रहेगा तथा देशभक्ति व समर्पण की भावना के साथ तिरंगे को ऊंचाईयों तक पहुंचाएगा। रैना ने केंद्र शासित प्रदेश का राज्य का दर्जा बहाल करने के सवाल पर कहा कि जम्मू-कश्मीर एक संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्र है, जो 35 वर्षों से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का दंश झेल रहा है और यहां के लोग अत्यंत कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में और जम्मू-कश्मीर के नागरिकों, सेना, पुलिस और अर्धसैनिक बलों की कड़ी मेहनत के माध्यम से पिछले 10 वर्षों में यहां शांति, सद्भाव और समृद्धि बहाल हुई है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध
FLATS FOR SALE
DNR HIGHLINE
@ OKALIPURAM
near LULU Mall
Rajajinagar
Centre of the City
3 & 4 Bedroom
FLATS with 7 Star
Luxurious Amenities
Only Few Flats
available for Sale
Contact : 9844027560

सरकार पंचायतों के लिए बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देगी, सीमावर्ती इलाकों पर होगा ध्यान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बुनियादी ढांचे की कमी को दूर करने के लिए पंचायती राज मंत्रालय ने देश भर में नए पंचायत भवनों और संसाधन केंद्रों के निर्माण तथा मौजूदा भवनों को उन्नत बनाने के लिए कई प्रस्तावों को मंजूरी दे दी है। मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि इनमें अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती इलाकों में करीब 400 ग्राम पंचायत भवन बनाने का प्रस्ताव भी शामिल है।

एक सूत्र के मुताबिक, इस महीने की शुरुआत में ग्राम स्वराज अभियान में बदलाव पर केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) की बैठक में कई प्रस्ताव रखे गए थे और हाल ही में मंत्रालय ने इन्हें मंजूरी दे दी है।

सूत्र ने बताया, सीमावर्ती क्षेत्रों में 'वाइब्रेंट विलेजिस' में पंचायत बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए अरुणाचल प्रदेश में 400 पंचायत भवन-सह-सामान्य सेवा केंद्रों के निर्माण को मंत्रालय द्वारा मंजूरी दे दी गई है।

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत, मंत्रालय ने पंचायत भवनों के निर्माण के साथ-साथ विशेष रूप से सीमावर्ती राज्यों में सामान्य सेवा केंद्रों की स्थापना का समर्थन किया है।

पंचायती राज मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, जम्मू और कश्मीर में मंत्रालय ने 2024-25 के दौरान 970 ग्राम पंचायत भवन के निर्माण और 1,606 सामान्य सेवा केंद्रों के निर्माण का समर्थन किया है।

इसी तरह मिजोरम, मेघालय, नगालैंड, असम और मणिपुर सहित पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों के लिए पंचायत बुनियादी ढांचे का समर्थन किया गया है। पूर्वोत्तर के राज्यों के लिए कुल मिलाकर 1,633 ग्राम पंचायत भवन और 514 सीएससी को मंजूरी दी गई है।

श्रृंगेरी मठ धार्मिक परंपराओं में सबसे आगे : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को श्रृंगेरी मठ की सराहना करते हुए कहा कि यह उन मठों में से एक है जिसे लोग अपनी धार्मिक परंपराओं के लिए अत्यधिक सम्मान देते हैं। श्रृंगेरी के संत शंकराचार्य श्री भारतीतीर्थ महास्वामी के संन्यास के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित 'नमः शिवाय' कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा, भारतीतीर्थ स्वामीजी ने 50 वर्षों तक धर्म को कायम रखने के लिए कड़ी मेहनत की है। हमारे प्रयास विफल हो सकते हैं, लेकिन हमारी प्रार्थना कभी विफल नहीं होती। श्रृंगेरी मठ के साथ मेरा संबंध शिष्य और भगवान के बीच के रिश्ते जैसा है। उन्होंने कहा, श्री शंकराचार्य देश भर में शारदा पीठ की स्थापना के माध्यम से हिंदू धर्म के कल्याण के लिए जिम्मेदार थे। श्री विधुशेखर स्वामीजी अपने पूर्ववर्तियों के पदचिह्नों पर चल रहे हैं। मैं प्रार्थना करता हूं कि उनका आशीर्वाद लोगों और राज्य पर बना रहे। उन्होंने कहा, सभी धर्मों का दर्शन एक ही है। ईश्वर एक है, हालांकि सैकड़ों प्रार्थनाएं हैं। ईश्वर एक है, लेकिन उसके नाम अलग-अलग हैं। मैं भगवान शिव से प्रार्थना करता हूं कि वे हम सभी पर कृपा करें।

स्वामीजी ने कहा, डीके शिवकुमार शारदा मठ के भक्त रहे हैं और मैं प्रार्थना करता हूं कि वह राज्य के लोगों के लिए अपना अच्छा काम जारी रखें।

श्रृंगेरी श्री शारदा पीठम द्वारा सुवर्ण भारती महोत्सव के तहत आयोजित 'नमः शिवाय' पारायण में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, केन्द्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी उपस्थित थे।

वक्फ भूमि मामलों की सरकार समीक्षा करेगी : परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक वक्फ बोर्ड के नोटिस को लेकर विजयपुरा में किसानों द्वारा विरोध-प्रदर्शन किए जाने के बीच राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार स्थिति की समीक्षा करेगी। कर्नाटक वक्फ बोर्ड ने उसकी पैतृक जमीन खाली करने के लिए किसानों को नोटिस दिया है।

उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, ''हम इसकी समीक्षा करेंगे। राज्य सरकार और राजस्व विभाग इसकी समीक्षा करेंगे। पुराने रिकॉर्ड के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।'' जब उनसे पूछा गया कि वक्फ बोर्ड ने जमीन खाली करने के लिए समय सीमा तय की है तो मंत्री ने कहा कि यह कोई समस्या नहीं है। इस बीच, महाराष्ट्र की सीमा से लगे उत्तर कर्नाटक के जिला मुख्यालय शहर विजयपुरा में किसानों ने इस मुद्दे को लेकर उपायुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन किया।

भूमि अभिलेखों और पंजीकृत भूमि दस्तावेजों को अपने हाथों में लिए किसानों ने आरोप लगाया कि आवास एवं वक्फ मंत्री बी.जेड. जमीर अहमद खान के विजयपुरा दौरे के तुरंत बाद उन्हें नोटिस दिया गया। किसान नेताओं ने आरोप लगाया कि मामला उनके संज्ञान में लाए बिना ही इंडी तालुक के तेनाहल्ली गांव और तिकोटा तालुक के होनवाड़ा गांव के किसानों के भूमि अभिलेखों में बदलाव कर उन्हें वक्फ के पक्ष में कर दिया गया।

बेंगलूरु में बने अनधिकृत भवनों को ध्वस्त किया जाएगा : डीके शिवकुमार

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि बेंगलूरु में अनधिकृत और जर्जर इमारतों को गिराने का अभियान चल रहा है। बेंगलूरु विकास विभाग का प्रभार संभाल रहे शिवकुमार ने कहा कि अनधिकृत संपत्तियों का पंजीकरण रोका जाएगा और अतिक्रमण हटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, नगर निकायों और योजना निकायों को अधिक शक्तियां दी जाएंगी। उपमुख्यमंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा, हमने इमारतों के अनधिकृत निर्माण को रोकने का फैसला किया है। पिछली सरकार ने अनधिकृत निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए अधिकारियों की शक्तियों में कटौती की थी। उन्होंने कहा, ''हमारी सरकार ने अनधिकृत निर्माण को रोकने के लिए बीबीएमपी (बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका), बीडीए (बेंगलूरु विकास प्राधिकरण) और बीएमआरडीए (बेंगलूरु महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण) को अधिकार देने का फैसला किया है। अनधिकृत संपत्तियों का पंजीकरण भी रोका जाएगा। साथ ही, हम अतिक्रमण हटाने पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।'' शिवकुमार ने बेंगलूरु में बाढ़ रोकने के संबंध में कहा कि इसे रोकने के लिए 'स्टॉर्म वाटर ड्रेन' के साथ-साथ 300 किलोमीटर सड़कें विकसित करने का निर्णय लिया गया है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा से उनके आवास पर मुलाकात की और देश के विकास तथा किसानों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। उपराष्ट्रपति और उनकी पत्नी सुदेश धनखड़ की देवेगौड़ा के साथ मुलाकात एक घंटे से अधिक समय तक चली। उन्होंने देवेगौड़ा की पत्नी चेनम्मा के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की।

गौड़ा के बेटे और केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने बाद में संवाददाताओं से कहा, उपराष्ट्रपति और पूर्व प्रधानमंत्री के बीच आपसी सम्मान और दोस्ती का एक करीबी रिश्ता है। धनखड़, पूर्व प्रधानमंत्री के प्रति बहुत सम्मान रखते हैं और मैंने कई बार देखा है। उपराष्ट्रपति श्रीमती सुदेश धनखड़ ने पूर्व प्रधानमंत्रियों, केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी के साथ नाश्ता किया। इस मौके पर इन सभी ने देश के विकास को लेकर चर्चा की। इसके बाद परिवार के सभी सदस्यों ने के बारे में पूछताछ की।

उपराष्ट्रपति ने खास तौर पर छोटे बच्चों के साथ कुछ समय बिताया। दोनों नेता किसान परिवार पृष्ठभूमि से आते हैं। इस प्रकार उनकी चर्चा अधिकतर कृषि पर केन्द्रित रही। केंद्रीय मंत्री ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि उन्होंने किसानों के विकास को लेकर कई अहम मुद्दों पर चर्चा की।

कुमारस्वामी ने कहा कि उन्होंने कृषि विकास से संबंधित महत्वपूर्ण मामलों पर चर्चा की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उपराष्ट्रपति बेंगलूरु की अपनी पिछली यात्राओं के दौरान देवेगौड़ा से मिलना चाहते थे और आज उनकी यह इच्छा पूरी की। उन्होंने कहा, हमारी मां अब भी अस्पताल में हैं और उपराष्ट्रपति ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने (धनखड़ ने) जो स्नेह और सम्मान दिखाया है, उसके लिए हम उनके आभारी हैं।

राज्य में बारिश के नुकसान को लेकर मुख्यमंत्री ने जिला कलेक्टरों के साथ की समीक्षा बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राज्य में लगातार हो रही बारिश से जिलों में हुए नुकसान को लेकर मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने जिला कलेक्टरों और जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ वीडियो बातचीत की। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों एवं मुख्य परिचालन अधिकारियों के साथ की गई समीक्षा बैठक की अनेक मुख्य बातों के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कलेक्टर स्वयं भारी बारिश, बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों और आसपास के इलाकों का दौरा करें और किसी भी आपदा को रोकने के लिए सावधानी बरतें। प्रभावित स्थानों पर जाकर निरीक्षण करें और नियमानुसार तत्काल राहत प्रदान कर लोगों को सांत्वना दें।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि दिवाली के दौरान केवल हरित पटाखों की अनुमति है, पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली आतिशबाजी को किसी भी कारण से अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। प्रशासन यह सुनिश्चित करें कि पटाखों की सूची और बिक्री प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा में कोई चूक न हो। जिला कलेक्टरों एवं जिला पुलिस अधीक्षकों को इस संबंध में सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि पहले ही अनुमान लगाया जा चुका है कि मानसून सीजन यानी अक्टूबर से दिसंबर के दौरान राज्य के कई हिस्सों में सामान्य से ज्यादा बारिश होगी। राज्य के प्रमुख जलाशयों की कुल भंडारण क्षमता 895.62 टीएमसी है और वर्तमान जल भंडारण 871.26 टीएमसी है। पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 505.81 टीएमसी थी।

उन्होंने कहा कि इस बार जलविद्युत उत्पादन के लिए अच्छी मात्रा में पानी उपलब्ध है। कावेरी घाटी और कृष्णा घाटी में भी अच्छा जल भण्डार है। पीने के लिए पर्याप्त पानी रखने और सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने के लिए कार्रवाई की जानी चाहिए।उन्होंने बताया कि मानसून सीजन के दौरान भारी बारिश के कारण कुल 25 मौतें हुईं और आपातकालीन मुआवजा दिया गया। झीलों से अतिक्रमण हटाने के लिए सभी जिलाधिकारियों को पहले ही समय सीमा तय कर दी गयी थी। बेंगलूरु के आसपास की अधिकांश झीलें केवल 30 प्रतिशत ही भरी हैं, उन्होंने इसे गंभीरता से लेने और कार्रवाई करने का सुझाव दिया। झीलों से अतिक्रमण हटाने और फिर झीलों की ड्रेजिंग सहित विकास कार्यों को प्राथमिकता पर किया जाना चाहिए। इसके लिए रोजगार गारंटी योजना का भी पर्याप्त उपयोग किया जाना चाहिए।

उन्होंने अतिरिक्त बुआई के लिए किसानों की ओर से बीज की मांग आने पर बीज उपलब्ध कराने की कार्रवाई करने के निर्देश दिये. किसानों के लिए वैकल्पिक फसलें उगाने के लिए बुआई के बीज उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि पर्याप्त मात्रा में बीज एवं उर्वरक की बुआई सुनिश्चित की जाए। इस मौके पर कृषि मंत्री चेलुवरायस्वामी, बैठक में राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा, शहरी विकास मंत्री बैराती सुरेश, ग्रामीण विकास मंत्री प्रियंका खरगे, श्रम मंत्री संतोष लाड, मुख्य सचेतक अशोक पट्टन, मुख्य सचिव शालिनी रजनीश, मुख्यमंत्री के उप मुख्य सचिव एलके अतीक उपस्थित थे।

कांग्रेस विधायक सतीश सैल को लौह अयस्क की चोरी, अवैध निर्यात के मामले में सात साल की कैद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु की एक अदालत ने 2009-10 के दौरान बेलेकेरी बंदरगाह से लौह अयस्क की चोरी और अवैध निर्यात के मामले में कांग्रेस विधायक सतीश कृष्णा सैल को सात वर्ष के कारावास की सजा सुनाई तथा भारी-भरकम जुर्माना लगाया। जनप्रतिनिधियों से संबंधित मामलों की सुनवाई करने वाली एक विशेष अदालत ने करवार से विधायक कृष्णा (58) और छह अन्य आरोपियों को 24 अक्टूबर को दोषी करार दिया था। सजा सुनाए जाने के बाद, अब दो बार के विधायक कृष्णा की विधानसभा सदस्यता खत्म होने का खतरा मंडरा रहा है।

सैल को मल्लिकार्जुन शिपिंग प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक के रूप में चोरी, आपराधिक षड्यंत्र और धोखाधड़ी करने के आरोपों में दोषी ठहराया गया। वर्ष 2010 में बेल्लारी में अवैध रूप से खनन कर करोड़ों रुपये मूल्य का लौह अयस्क बेलेकेरी बंदरगाह पर जमा किया गया था। हालांकि, आरोपियों ने अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर लौह अयस्क तस्करी कर चीन भेज दिया। मामले के अन्य दोषियों में तत्कालीन बंदरगाह उप संरक्षक महेश जे बिलिये, आशापुरा माइनकेम के प्रबंध निदेशक चेतन शाह, केवी नागराज उर्फ स्वास्तिक नागराज, केवीएन गोविंदराज, वेंकटेश्वर मिनरल्स के पार्टनर कारापुडी महेश कुमार और लाल महल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक प्रेम चंद गर्ग शामिल हैं। बिलिये को आपराधिक विश्वासघात और आपराधिक षड्यंत्र का दोषी करार देते हुए सात वर्ष के कारावास की सजा सुनाई गई। अदालत ने प्रारंभिक मामले में छह करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया।

अदालत ने चोरी से संबंधित एक मामले में दोषियों को अतिरिक्त तीन वर्ष की सजा सुनाई तथा सरकार को जुर्माने की राशि वसूलने का आदेश दिया। दूसरे मामले में अदालत ने सैल को सात साल की अतिरिक्त सजा सुनाई और छह करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया। तीसरे मामले में सभी आरोपियों को पांच साल की जेल और 20,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया, साथ ही धोखाधड़ी करने के लिए कुल 9.36 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया।

चौथे मामले में, सैल, बिलिये और नागराज को धोखाधड़ी के लिए पांच साल और सात साल की सजा सुनाई गई, साथ ही 9.54 करोड़ रुपये का अतिरिक्त जुर्माना भी लगाया गया।

सजा के तुरंत बाद, मामले की जांच करने वाले केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने उन्हें और दो अन्य को गिरफ्तार कर लिया। घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा, मैं विधायक को सजा सुनाए जाने के बाद कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष से उन्हें अयोग्य घोषित करने की अपील करता हूं।

कादरी मैदान से हटने के लिए सहमत हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अज़्म पीर कादरी, जिन्होंने शिगांव उपचुनाव में विद्रोही उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था, को मैदान से हटने के लिए मनाने में मंत्री जमीर अहमद खान सफल रहे हैं। मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव नसीर अहमद, परिषद सदस्य अब्दुल जब्बार, वक्फ बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष अनवर बाशा, धारवाड़ अंजुमन के अध्यक्ष इस्माइल आदि के साथ ही शुक्रवार आधी रात को कादरी को शिगांव से बेंगलूरु लाने वाले जमीर अहमद खान ने शनिवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से मुलाकात की।

बातचीत के दौरान कादरी को आने वाले दिनों में राजनीतिक तौर पर उचित दर्जा देने का आश्वासन दिया गया।

आगामी 30 तारीख को नामांकन पत्र वापस लेना लगभग तय है। मेरे लिए पार्टी महत्वपूर्ण है। अज़्म पीर कादरी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि वह सिद्दरामय्या, डीके शिवकुमार, जमीर अहमद खान और नसीर अहमद से सहमत हैं। कादरी ने कहा कि हालांकि, कार्यकर्ताओं और प्रशंसकों से बातचीत के बाद हम कांग्रेस की जीत के लिए कड़ी मेहनत करेंगे।

उपचुनाव में राज्य की सियासत की दिशा बदलने की ताकत : विजयेंद्र

आज हमने बीजेपी चन्नपट्टना निर्वाचन क्षेत्र के नेताओं की एक बैठक की है। उन्होंने बताया कि इस बैठक में निखिल कुमारस्वामी, जेडीएस जिला अध्यक्ष मंजन्ना, हमारी पार्टी के पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. सीएन अश्वथनारायण, दोनों दलों के नेताओं ने भाग लिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कहा कि राज्य के चन्नपटना, शिग्गावी और संदुर 3 विधानसभा क्षेत्रों के लिए उपचुनाव हो रहे हैं और ये तीन निर्वाचन क्षेत्र राज्य की राजनीति की दिशा बदलने की ताकत रखते हैं। शनिवार को वह मल्लेश्वरम में भाजपा के राज्य कार्यालय जगन्नाथ भवन में चन्नपटना विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के मद्देनजर आयोजित एक बैठक के दौरान मीडियाकर्मियों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चुनाव को चुनौती के रूप में स्वीकार किया है। उन्होंने विश्लेषण किया कि ऐसा माहौल बनाया गया है जहां भाजपा पहले ही शिग्गावी निर्वाचन क्षेत्र जीत चुकी है। हम संदुर में भी बीजेपी की ऐतिहासिक जीत की उम्मीद कर रहे हैं। चन्नापट्टना से निखिल कुमारस्वामी ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया जिसको लेकर बीजेपी-जेडीएस पार्टियों के कार्यकर्ताओं में उत्साह है। उन्होंने कहा कि चन्नापट्टनम में एनडीए की जीत होगी।

हमारे एक-एक कार्यकर्ता ने चुनाव में दिन-रात मेहनत की और हमने एक बैठक कर रणनीति बनाई ताकि निखिल कुमारस्वामी बड़े अंतर से जीतें। हर कोई जोश में है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रत्येक कार्यकर्ता ने निखिल कुमारस्वामी की जीत के लिए दिन-रात काम करने का वादा किया है।

आज हमने बीजेपी चन्नपट्टना निर्वाचन क्षेत्र के नेताओं की एक बैठक की है। उन्होंने बताया कि इस बैठक में निखिल कुमारस्वामी, जेडीएस जिला अध्यक्ष मंजन्ना, हमारी पार्टी के पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. सीएन अश्वथनारायण, दोनों दलों के नेताओं ने भाग लिया। जेडीएस युवा इकाई के अध्यक्ष और चन्नपटना विधानसभा क्षेत्र उपचुनाव के लिए एनडीए उम्मीदवार निखिल कुमारस्वामी ने कहा कि चन्नपटना उपचुनाव ने पिछले कुछ महीनों से राज्य का ध्यान आकर्षित किया है। मैंने कल अपना नामांकन दाखिल किया। निखिल ने बताया कि किसान नेता, पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येडीयुरप्पा, जेडीएस नेता और मेरे पिता एचडी कुमारस्वामी, पार्टी प्रमुख एचडी देवेगौड़ा ने बैठकर चर्चा की और मेरे चुनाव लड़ने का फैसला किया।

उन्होंने कहा कि बदले राजनीतिक परिदृश्य में मुझे एनडीए का उम्मीदवार घोषित किया गया है। कल दोनों पार्टियों के हजारों कार्यकर्ताओं ने आकर नामांकन पत्रों को आशीर्वाद दिया। उन्होंने बताया कि विजयेंद्र ने तीन तरफ से एनडीए उम्मीदवारों की जीत का स्पष्ट संदेश दे दिया है। इस बैठक में जेडीएस विधायक दल के नेता सुरेश बाबू, पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. सीएन अश्वथनारायण जैसे महत्वपूर्ण गणमान्य लोग मौजूद थे।

तमिलनाडु के चार जिलों में भारी बारिश का अलर्ट, स्कूल रहेंगे बंद

चेन्नई/दक्षिण भारत । तमिलनाडु के क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) ने राज्य के चार जिलों में शनिवार को भारी बारिश और आंधी-तूफान की संभावना जताई है। बारिश और तूफान के मद्देनजर स्कूलों को बंद रखा गया है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने जिन क्षेत्रों में भारी बारिश की आशंका जताई है, उनमें थेनी, तिरुनेलवेली, तेनकासी और मदुरै शामिल हैं।

मौसम विभाग की चेतावनी के बाद इन जिलों में सरकारी, सहायता प्राप्त और निजी स्कूलों में छुट्टी की घोषणा कर दी गई है। इसके साथ ही जिला कलेक्टरों ने तेनकासी और थूथुकुड़ी में स्कूलों में स्पेशल क्लासेस नहीं चलाने का भी निर्देश दिया है। इसी तरह मदुरै के जिला कलेक्टर ने सभी स्कूलों में छुट्टी की घोषणा कर दी है। इसके अलावा थेनी जिले में भी सभी सरकारी, निजी और सहायता प्राप्त स्कूलों में छुट्टी का ऐलान किया गया है।

मौसम विभाग के मुताबिक, कन्याकुमारी, विरुधुनगर, शिवगंगई, रामनाथपुरम और तिरुनेलवेली जिलों में भी बारिश संभावना जताई गई है। इस समय तमिलनाडु के पश्चिमी जिलों में भारी बारिश हो रही है, जिसमें कोयंबटूर और तिरुपुर के कई इलाकों में भारी जलभराव जैसी स्थिति पैदा हो गई है। साथ ही तमिलनाडु के पश्चिमी जिलों के अलावा, नीलगिरी, डिंडीगुल, थेनी, तेनकासी, इरोड, नमक्कल, पेरम्बलुर, अरियालुर, कुड्डालोर, विल्लुपुरम और मयिलादुथुराई के कुछ क्षेत्र भी भारी बारिश से प्रभावित हुए हैं।

इसके अलावा सेलूर में बुधवार और गुरुवार को हुई भारी बारिश के कारण बाढ़ आ गई है। वहीं, इरोड जिले में भी भारी बारिश हुई है, जिससे सड़कों और आवासीय क्षेत्रों में भी जलभराव हो गया है। साथ ही मोदाकुरिची और कविंदपदी जैसे इलाके भी बारिश की वजह से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

मंगलूरु में चार वर्ष से फरार मादक पदार्थ तस्कर गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। मंगलूरु की साइबर इकोनॉमिक एंड नारकोटिक क्राइम पुलिस ने चार वर्ष से फरार एक मादक पदार्थ तस्कर को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि चार साल से फरार आरोपी मोहम्मद सलीम (38) को स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम की धारा आठ(सी), 20बी(दो)(ए) के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। वह स्थानीय निवासी है।

सलीम को 2019 में गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया था, लेकिन वह फरार हो गया था और उसके बाद से अदालत में पेश नहीं हुआ था। अदालत ने आरोपी को जेल भेज दिया।

विधानसभा उपचुनाव के लिए अंतिम दिन 57 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के सात विधानसभा क्षेत्रों में 13 नवंबर को होने वाले उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने के अंतिम शुक्रवार को 57 उम्मीदवारों ने अपने पर्चे भरे। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि पर भाजपा से शांता देवी (सलूंबर), करीलाल ननोमा (चोरासी) और रेवंत राम (खींवसर) तथा कांग्रेस से अमित ओला (झुंझुनू), दीनदयाल बैरवा (दौसा), कस्तूर चंद मीना (देवली-उनियारा), रेशमा मीना (सलूंबर) और महेश रोत (चोरासी) ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए।

झुंझुनू, दौसा, देवली-उनियारा, खींवसर, चौरासी, सलूंबर और रामगढ़ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव 13 नवंबर को होंगे और नतीजे 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। उपचुनाव के लिए कुल 94 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। नामांकन पत्रों की जांच 28 अक्टूबर को होगी और नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर है। खींवसर सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला होने की उम्मीद है, जहां भाजपा, कांग्रेस और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) ने उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतारे हैं। यह सीट आरएलपी के पास थी, लेकिन इसके संयोजक हनुमान बेनीवाल ने इस साल लोकसभा के लिए चुने जाने के बाद विधायक पद से इस्तीफा दे दिया था। सलूंबर और चौरासी सीटों पर भाजपा और कांग्रेस के अलावा भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) भी मैदान में है। चौरासी सीट बीएपी के पास थी। विधायक राजकुमार रोत के लोकसभा चुनाव जीतने के बाद यह खाली हो गई थी। सलूंबर सीट भाजपा के पास थी और मौजूदा विधायक के निधन के कारण इस सीट पर उपचुनाव कराना पड़ा।

झुंझुनू, रामगढ़, दौसा और देवली-उनियारा सीटों पर कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधा मुकाबला माना जा रहा है। राज्य विधानसभा में कुल 200 सीट हैं जिनमें से पांच सीट विधायकों के सांसद बनने के कारण और दो सीट विधायकों के निधन के कारण खाली हुई हैं। राज्य विधानसभा में इस समय भारतीय जनता पार्टी के 114, कांग्रेस के 65, भारत आदिवासी पार्टी के तीन, बहुजन समाज पार्टी के दो और राष्ट्रीय लोकदल का एक विधायक है। इसके अलावा आठ निर्दलीय विधायक हैं।

धनखड़ के जोधपुर पहुंचने पर शेखावत ने किया स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के राजस्थान की दो दिवसीय यात्रा के तहत शनिवार को जोधपुर पहुंचने पर केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने उनका स्वागत किया। धनखड़ का शेखावत ने जोधपुर हवाई अड्डे पर अगवानी करते हुए स्वागत किया। धनखड़ की पत्नी सुदेश धनखड़ भी उनके साथ थी। इस अवसर पर राज्य के संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने भी धनखड़ का स्वागत किया। इसके बाद उपराष्ट्रपति ने आईआईटी जोधपुर के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में भाग लिया। धनखड़ रविवार को जयपुर में जयपुर जिला न्यायालय में आयोजित एक कार्यक्रम में शिरकत करेंगे।

नायब तहसीलदार का शव पेड़ से लटका मिला

जयपुर। राजस्थान के करौली शहर में एक नायब तहसीलदार का शव शनिवार को एक पेड़ से लटका मिला। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि नायब तहसीलदार ने आत्महत्या की या यह हत्या का मामला है। पुलिस ने बताया कि करौली कलेक्ट्रेट के सामने सिटी पार्क में टहल रहे लोगों ने शनिवार सुबह शव लटका देखा जिसके बाद उन्होंने पुलिस को इस बारे में सूचना दी। उसने बताया कि नायब तहसीलदार राजेंद्र सिंह (40) का पांच दिन पहले धौलपुर से करौली तबादला हुआ था। उसने बताया कि वह भरतपुर के बाई गांव के रहने वाले थे। पुलिस उपाधीक्षक अनुज शुभम ने बताया कि कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को फंदे से उतारा।

प्रदर्शनी

जयपुर में शनिवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में फोर्टी वीमेन विंग द्वारा दीपावली के उपलक्ष्य में आयोजित प्रदर्शनी में सम्मिलित होती उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी।

चुनावी सभाओं में डोटासरा के नृत्य करने का उपचुनाव में कोई असर नहीं पड़ेगा : पूनिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष और पार्टी के हरियाणा प्रदेश प्रभारी सतीश पूनिया ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पर व्यंग्य कसते हुए कहा है कि उनका चुनावी सभाओं में किये जाने वाले नृत्य का आम जनता भरपूर आनंद उठा रही है, इसका असर न तो हरियाणा के चुनावों में देखा गया और न ही राजस्थान के उपचुनाव में कोई असर पड़ेगा। पूनिया ने शुक्रवार को जैसलमेर प्रवास के दौरान कहा कि राजस्थान में सात सीटों पर हो रहे उपचुनाव में प्रचार के दौरान उनके द्वारा किये जाने वाले नृत्य से जनता का मनोरंजन जरूर हो रहा है, लेकिन यह नृत्य मतों में बदलेगा ऐसा नजर नहीं आ रहा।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के हथकंडे मतों में तब्दील नहीं होते हैं सिर्फ जनता का मनोरंजन होता है। जहां तक राजस्थान में होने वाले सीटों पर उपचुनाव की बात है हमारे पास खोने को कुछ नहीं है। चुनाव से पहले इन सात सीटों में से हमारे पास एक सीट थी, लेकिन अब चुनावों में अधिकतर सीटों पर भाजपा के उम्मीदवार जीतेंगे।

उपचुनाव में सबसे ज्यादा चर्चित सीट खींवसर की चर्चा करते हुए पूनिया ने कहा, 'इस सीट पर पिछली बार हम करीब ढाई हजार मतों से हारे थे। मुझे लगता है इस बार की स्थिति में बहुत परिवर्तन नजर आ रहा है, क्योंकि अब सरकार बदल चुकी है। राजस्थान का जनमानस अक्सर सत्ता और सरकार के साथ तालमेल बैठाकर चलता है। डबल इंजन की सरकार का राजस्थान में उपचुनावों पार्टी को फायदा मिलेगा।'

हरियाणा विधानसभा चुनाव में जीत का फॉर्मूला बताते हुए उन्होंने कहा कि आजकल चुनाव में इंजीनियरिंग एवं प्रबंधन का काम ज्यादा है। यदि कांग्रेस से तुलना करें तो संगठन में हम उनसे उत्कृष्ट हैं। प्रबंधन एवं रणनीति भी हमारी उनसे बेहतर थी। हम उनसे इक्कीस थे, लेकिन लोकसभा चुनाव में पांच सीटें हारने के कारण उन्होंने हमें कम आंक लिया। मगर, सच यह था कि हम बहुत प्रतिकूलताओं में चुनाव लड़े। किसान, जवान, पहलवान, संविधान, आरक्षण को लेकर हमारे खिलाफ एक नकारात्मक अभियान कांग्रेस ने चलाया। कुछ हद तक भ्रम फैलाने में वे कामयाब भी हो गए। हालांकि हमने लोकसभा से लेकर विधानसभा चुनाव के बीच अच्छी तैयारी कर ली थी, जिसकी वजह से जीत दर्ज कर पाए।

हरियाणा की जीत के बाद पार्टी में कद बढ़ने के सवाल पर पूनिया ने कहा, मैं पार्टी का कार्यकर्ता हूं। जो जिम्मेदारी तय करनी है वह पार्टी करेगी। मुझे खुशी है कि मैं विजयी दल का हिस्सा हूं। पार्टी से मिली जिम्मेदारी और विश्वास पर मैं खरा उतरा। मैं पार्टी का एक महत्वपूर्ण सदस्य हूं। मेरे बारे में मैं नहीं, पार्टी निर्णय करती है। पार्टी ने मेरे को मेरी हैसियत से काफी ज्यादा बहुत कुछ दिया है। 'राइजिंग राजस्थान' में निवेश बढ़ाने को लेकर मुख्यमंत्री भजन लाल की विदेश यात्राओं को लेकर विपक्ष द्वारा सवाल उठाए जाने के संबंध में उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भैरू सिंह शेखावत ने राजस्थान को बीमारू राज्य से बाहर निकाला था, श्रीमती वसुंधरा राजे ने अपने कार्यालय में राज्य में खूब निवेश लाने में बढ़िया कार्य किया था, अब भजन लाल जी भी राइजिंग राजस्थान में देश के साथ सौर ऊर्जा से लेकर पर्यटन तक, अगर यहां निवेश आता है तो रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और क्षेत्र की तरक्की भी होगी।

इससे पहले पूनिया ने भाजपा जिला कार्यालय जैसलमेर में पार्टी कार्यकर्ताओं से आत्मीय मुलाकात की। इस अवसर पर पूनियां ने कार्यालय में सदस्यता अभियान की कार्यशाला को संबोधित करके सदस्यता अभियान को बूथ, मंडल स्तर तक मजबूती से पहुंचाने का आह्वान किया, जिससे पूरे राज्य का देशभर में सदस्यता में ऐतिहासिक रिकॉर्ड बन सकेगा। यह कार्य पार्टी के कार्यकर्ता अपने परिश्रम की पूंजी से संभव कर दिखाएंगे।

राज्य सरकार प्रदेश में विमानन क्षेत्र को कर रही सुदृढ़ : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान की विकास यात्रा में जयपुर इन्टरनेशनल एयरपोर्ट महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट के अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल-1 का लोकार्पण हमारे प्रदेश के विकास और उन्नति का प्रतीक है। शर्मा ने कहा कि राजस्थान का यह पहला अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल आधुनिक सुविधाओं के साथ यात्रियों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध करवाएगा और राजस्थान में अंतरराष्ट्रीय निवेश को आकर्षित करने में अहम भूमिका निभाएगा। शर्मा ने शनिवार को जयपुर इन्टरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 का फीता काटकर लोकार्पण किया। इस टर्मिनल को आधुनिक रूप देकर लगभग 11 वर्षों के बाद यात्रियों के लिए पुनः शुरू किया गया है।

इस अवसर पर शर्मा ने कहा कि जयपुर हवाई अड्डे की मौजूदा यात्री क्षमता लगभग 65 लाख है जो आने वाले समय में बढ़कर 3 करोड़ 80 लाख हो जाएगी। इससे प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हेरिटेज लुक वाला टर्मिनल-1 जयपुर आने वाले अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को प्रदेश की सुंदर संस्कृति और परंपरा की झलक दिखाएगा। शर्मा ने कहा कि 9 से 11 दिसम्बर को होने वाले राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में पूरी दुनिया से मेहमान जयपुर आएंगे तो इस सुंदर टर्मिनल का अनुभव लेंगे। शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट की अंतरराष्ट्रीय मीट के दौरान उन्होंने संबंधित देशों के प्रतिनिधियों से आग्रह किया है कि वे अपने एअरलांइस की जयपुर से डायरेक्ट फ्लाइट की व्यवस्था करें।

आधुनिक और हेरिटेज स्वरूप वाला टर्मिनल-1 विकास और विरासत का संगम है। यहां प्रस्थान क्षेत्र में 10 तथा आगमन क्षेत्र में 14 इमिग्रेशन काउंटर स्थापित किए गए हैं। साथ ही 10 चेक-इन काउंटर भी होंगे। इसके अलावा ड्यूटी फ्री आउटलेट्स, मेडिकल रूम, 24 घण्टे एंबुलेंस सेवा तथा लाउंज जैसी सुविधाएं यात्रियों को मिलेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में विमानन क्षेत्र को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। हमारा यह प्रयास है कि सड़क और रेल मार्ग की ही भांति हवाई मार्ग से भी प्रदेश के हरेक हिस्से तक आसान पहुंच सुनिश्चित हो सके। इसके लिए प्रदेश के सभी सीमावर्ती जिलों के साथ ही समस्त जिला मुख्यालयों व अन्य प्रमुख स्थानों पर एअर ट्रेवल को सुगम करने के लिए हेलीपेड्स का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस कार्य में राज्य सरकार को केन्द्र सरकार का भरपूर सहयोग मिल रहा है।

शर्मा ने कहा कि पायलटों की कमी दूर करने के लिए राज्य सरकार ने किशनगढ़ में फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गेनाइजेशन (एफटीओ) शुरू किया है और हमीरगढ़-भीलवाड़ा में एफटीओ की प्रक्रिया चल रही है। इससे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए पायलट उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि एविएशन फ्यूल पर लगने वाले टैक्स में भी उल्लेखनीय कमी की गई है, जिससे हमारे यहां फ्यूल भरवाने वाले विमानों की संख्या बढ़ी है और दिल्ली से नजदीक होने का भी लाभ मिलना शुरू हुआ है। शर्मा ने कहा कि राज्य में एयरक्राफ्ट रिपेयर हेतु एमआरओ स्थापित करने के लिए कई एयर स्ट्रिप भी उपलब्ध हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में पिछले 10 वर्षों में भारत ने सिविल एविएशन के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

रोजाना बाघों का दीदार होने से सरिस्का अभ्यारण्य में पर्यटकों का लगा तांता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। विश्व विख्यात सरिस्का अभ्यारण्य में इन दिनों बाघों की रोज साइटिंग हो रही है। यह साइटिंग इसलिए भी हो रही है, क्योंकि सरिस्का में टाइगर की संख्या अब काफी बढ़ गई है। इस समय कुल मिलाकर सरिस्का में 43 बाघ, बाघिन और शावक बताए जा रहे हैं। सरिस्का में प्रतिदिन सुबह और शाम की सफारी होती है। हर दिन किसी न किसी सफारी में पर्यटकों को बाघ के दीदार हो रहे हैं। बाघों की साइटिंग बढ़ने से अब देशी और विदेशी पर्यटकों की संख्या में भी काफी इजाफा हुआ है। सारे होटल पर्यटकों से भरे हुए हैं। यहां तक कि पर्यटकों की सफारी के लिए अब जिप्सियां भी कम पड़ने लगी हैं। अधिकांश पर्यटकों को केंटरा में भेजा जाने लगा है। कल शाम को भी सफारी पर गए पर्यटकों को टी 9 के दीदार हुए थे, जबकि सुबह सफारी पर गए पर्यटकों को एसटी 21 के दीदार हुए थे।

एसटी 21 की तो पिछले कई रोज से लगातार साइटिंग हो रही है। इससे पहले एसटी 3 की कालापानी क्षेत्र में साइटिंग होती थी, लेकिन इन दिनों एसटी 3 के दीदार नहीं हो रहे। इन दिनों एसटी 9 ओर एसटी 21 की साइटिंग रोजाना हो रही है। गाइडों को भी इन दोनों बाघों की टेरेटरी पता है और वे पर्यटकों को इन्हीं की उसी टेरेटरी में लेकर जा रहे हैं, जहां इन दोनों टाइगर की साइटिंग होने की संभावना रहती है। पिछली बार तो तीन टाइगर की एक साथ साइटिंग भी होती रही है, लेकिन इस तरह की साइटिंग अब आम तौर पर बफर जोन में होती है।

सड़क हादसे में पिता-पुत्र सहित तीन लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान के अनूपगढ़ कस्बे के पास शनिवार सुबह सड़क हादसे में पिता-पुत्र सहित तीन लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग-911 पर 15ए गांव के बस अड्डे के पास एक कार व पिकअप वाहन की आमने-सामने की टक्कर से हुआ। सहायक उपनिरीक्षक ग्यारसी लाल ने बताया कि कार में सवार चालक प्रभु, उसके पिता ओमप्रकाश व एक अन्य रिश्तेदार बलबीर की मौके पर ही मौत हो गई।

मुख्यमंत्री का मजाक बनाने गए नेता प्रतिपक्ष खुद भूले प्रत्याशी का नाम, नामांकन सभा में जमकर बोला हमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दौसा। दौसा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने एक बार फिर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल पर बिना पर्ची के नहीं चलने वाली सरकार का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बीते कल मुख्यमंत्री भजनलाल नामांकन करवाने गए थे, जहां उन्हें कैंडिडेट का नाम याद नहीं रहा और यशवंत-जसवंत कहने लगे फिर पीछे से पर्ची आई तो पता लगा कि उनका नाम जसवंत नहीं खुशवंत है।

बस यहीं पर जूली गड़बड़ा गए, मुख्यमंत्री की खिल्ली उड़ाते-उड़ाते वे खुद ये भूल गए कि रामगढ़ के जिस भाजपा प्रत्याशी की बात वो कर रहे हैं, उसका नाम खुशवंत नहीं बल्कि सुखवंत है। राजस्थान में हो रहे उपचुनाव में अब स्थिति यह बन गई है कि नेताओं को हर हाल में चुनाव जीतना है, जिसके लिए फिर किसी भी नेता पर किसी भी तरह का आरोप लगाना पड़े। दौसा में कांग्रेस प्रत्याशी दीनदयाल बैरवा की नामांकन सभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पीसीसी चीफ गोविंदसिंह डोटासरा सहित दर्जनों कांग्रेस के नेता पहुंचे, जहां सारे नेताओं ने एक सुर में भाजपा पर हमला बोला।

सभी नेताओं के टारगेट पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा नजर आए, जहां नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि भजनलाल तो ऐसे मुख्यमंत्री हैं, जो भरी विधानसभा में यह कहते हैं कि मैं जब सरपंच हुआ करता था, तब नरेगा का काम अच्छा करवाता था, जिसके लिए आसपास के सरपंचों के मेरे पास फोन आते थे।

इस पर मैंने मुख्यमंत्री से एक बार पूछ ही लिया कि आप कौन से सन में सरपंच थे। उन्होंने अपने सरपंच होने का जो साल बताया उस समय तो नरेगा था ही नहीं। इसलिये ही मैं कहता हूं कि भाजपा वाले झूठ बोलते हैं।

ह्यूमन राइट्स पर पुलिस ऑफिसर्स का कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम सम्पन्न

जयपुर,। महानिदेशक पुलिस, राजस्थान (डीजीपी) उत्कल रंजन साहू ने कहा कि आमजन के मानवाधिकारों का संरक्षण और मानवाधिकारों कानूनों पर अमल करना पुलिस बल की जिम्मेदारी है। पुलिस अधिकारी मानवाधिकारों के सम्बंध में अर्जित नवीन ज्ञान को आत्मसात कर न केवल इसे फील्ड में अपनाए बल्कि इसे अपने अधीनस्थों के साथ साझा करते हुए कार्यक्षेत्र में अपनाएं। डीजीपी साहू शनिवार को राजस्थान पुलिस अकादमी (आपीए) में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) और राजस्थान पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में ह्यूमन राइट्स से जुड़े विषयों पर प्रदेश के पुलिस ऑफिसर्स के दो दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि एनएचआरसी के इस विशेष प्रोग्राम के जरिए जो अपडेटेड जानकारी पुलिस अधिकारियों के संज्ञान में आई है, उस पर खुले दिमाग और खुले मन से अमल करे, इससे आयोजन का मूल मकसद साकार सकेगा।

समापन सत्र को सम्बोधित करते हुए एनएचआरसी डीजी (इंवेस्टिगेशन) अजय भटनागर ने कहा कि आयोग ने एक नया ट्रेंड शुरू किया है, जिसके तहत राष्ट्रीय पुलिस अकादमी से लेकर देश के अलग-अलग राज्यों में ऐसे इंटरेक्टिव कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। उन्होने कहा कि इनके माध्यम से पुलिस अधिकारियों को मानवाधिकार, मानवाधिकार कानून और एनएचआरसी की कार्य प्रणाली के बारे में प्रशिक्षित किया जा रहा है, जिससे वे 'प्रिवेंटिव एस्पेक्ट्स' पर फोकस कर सके। उन्होंने जयपुर में इस कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए डीजीपी साहू का आभार व्यक्त करते हुए राजस्थान पुलिस की टीम को बधाई दी। उन्होंने मानवाधिकार आयोग की ओर से डीजीपी श्री साहू सहित राजस्थान पुलिस के वरिष्ठ एवं आयोजन से जुड़े अधिकारियों को स्मृति चिह्न भी प्रदान किए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को दी चेतावनी :

जनता की मदद में लापरवाही पर होगी कार्रवाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर, (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अधिकारियों को चेतावनी दी कि जन समस्याओं के निस्तारण और पीड़ितों की मदद में विलंब या लापरवाही किसी भी दशा में नहीं होनी चाहिए तथा यदि लापरवाही हुई तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी।

मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ ने शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। आज जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार योगी ने कहा, जन समस्याओं के निस्तारण और पीड़ितों की मदद में विलंब या लापरवाही किसी भी दशा में नहीं होनी चाहिए और यदि लापरवाही हुई तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी की समस्या के निस्तारण में यदि कहीं भी कोई दिक्कत आ रही है तो उसका पता लगाकर समाधान कराया जाए तथा किसी स्तर पर जानबूझकर कर प्रकरण को लंबित रखा गया तो संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाए। बयान में कहा गया कि मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन में

मुख्यमंत्री ने करीब 300 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने सभी को आश्वस्त किया कि किसी को भी चिंता करने या परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। उनका कहना था कि हर समस्या का वह प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित कराएंगे। इसे लेकर उन्होंने प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारियों को मौके पर ही हिदायत दी कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें।

बयान के अनुसार कुछ मामलों में उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि यह भी पता लगाएं कि यदि किसी को प्रशासन का सहयोग नहीं मिला है तो ऐसा क्यों और किन कारणों से हुआ। उनका कहना था कि हर पीड़ित की त्वरित मदद की जाए। बयान में कहा गया कि इसके पहले शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन करने और अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर मत्था टेकने के बाद मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए योगी आदित्यनाथ मंदिर की गोशाला में पहुंचे। यहां उन्होंने गोसेवा करते हुए गोवंश को अपने हाथों से गुड़ खिलाया। योगी ने गोशाला के कार्यकर्ताओं से सभी गोवंश के स्वास्थ्य एवं पोषण की जानकारी ली और देखभाल के लिए जरूरी निर्देश दिए।

वकीलों को युवाओं को उचित वेतन देना सीखना चाहिए: प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने कहा है कि वकीलों को उनके चैंबर में सीखने आने वाले युवाओं को उचित वेतन और पारिश्रमिक देना सीखना चाहिए। आकाशवाणी को दिए साक्षात्कार में चंद्रचूड़ ने कहा कि कानून का पेशा एक मुश्किल पेशा होता है, जहां प्रारंभिक वर्षों में रखी गई नींव से युवा वकील अपने पूरे करियर में अच्छी स्थिति में रहते हैं।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, किसी भी पेशे में हमेशा उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। शुरुआत में, कानून के पेशे में पहले महीने के अंत में आपको जो राशि मिलती है, वह बहुत अधिक नहीं भी हो सकती। चंद्रचूड़ ने कहा कि इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि पहली बार काम करने वालों को प्रोत्साहित किया जाए कि वे लगन से काम करें, कड़ी मेहनत करें और जो वे करते हैं, उसके प्रति ईमानदार रहें। उन्होंने कहा, इसी तरह, हमारे तौर-तरीकों में भी बदलाव होना चाहिए। उदाहरण के लिए, वकीलों को यह सीखना होगा कि उनके चैंबर में आने वाले युवा वकीलों को उचित वेतन, पारिश्रमिक और भत्ते कैसे दिए जाएं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, युवा उनके चैंबर में सीखने के लिए आते हैं। उनके पास देने के लिए भी बहुत कुछ होता है, इसलिए यह आत्मसात करने, साझा करने और मार्गदर्शन की दोतरफा प्रक्रिया है, जो हमें युवा वकीलों को प्रदान करनी है।

गुलमर्ग हमले में तीन से चार आतंकवादी शामिल, तलाशी अभियान दूसरे दिन भी जारी : पुलिस

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग सेक्टर में सेना के काफिले पर हुए घातक हमले में तीन से चार आतंकवादियों के शामिल होने का संदेह है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। सेना के काफिले पर हुए इस हमले में दो सैनिकों सहित चार लोगों की मौत हो गई थी। एक अधिकारी ने बताया कि शनिवार सुबह तलाशी अभियान दोबारा से शुरू किया गया। बारामूला के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) मोहम्मद जैद मलिक ने उत्तरी कश्मीर जिले में संवाददाताओं को बताया, वहां से हमें जो साक्ष्य मिले हैं उनके अनुसार इस हमले में तीन से चार आतंकवादी शामिल थे। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुलिस, सेना और अर्धसैनिक बल गुलमर्ग में बाबा रेशी और वन क्षेत्रों के साथ-साथ इसके सामने बसे इलाकों में तलाशी अभियान चला रहे हैं। एसएसपी ने बताया कि हमले से पहले सुरक्षाबलों ने प्राप्त सूचनाओं के आधार पर बारामूला जिले के पट्टन-क्रीरी इलाके में आतंकवादियों की तलाश की।

भाजपा ने प्रियंका गांधी पर हलफनामे में संपत्ति का पूरा विवरण नहीं देने का आरोप लगाया

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने केरल में वायनाड लोकसभा सीट से उपचुनाव लड़ने के लिए दायर हलफनामे में अपनी और अपने पति रॉबर्ट वाद्रा की संपत्तियों के बारे में आवश्यक जानकारी नहीं दी।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने दावा किया कि प्रियंका गांधी उच्चतम न्यायालय के उस निर्देश का उल्लंघन कर रही हैं जिसमें उम्मीदवारों को अपनी, जीवनसाथी व आश्रितों की संपत्ति का पूर्ण विवरण देने को कहा गया है। भाटिया ने कहा, उच्चतम न्यायालय का आदेश सभी नागरिकों के लिए बाध्यकारी है। गांधी परिवार कानून से ऊपर नहीं है। इसका केवल एक परिणाम हो सकता है। यदि कोई हलफनामे में गलत जानकारी देता है, तो उसे चुनाव लड़ने का अधिकार नहीं है। चुनाव अधिकारियों द्वारा नामांकन पत्रों की जांच की तारीख 28 अक्टूबर है और भाजपा इस दौरान कांग्रेस महासचिव पर उनके हलफनामे को लेकर निशाना साध रही है। गांधी परिवार द्वारा 'नेशनल हेराल्ड' समाचार पत्र की संपत्ति कथित तौर पर हड़पने के मामले का जिक्र करते हुए भाटिया ने कहा प्रियंका गांधी के हलफनामे में कुछ ट्रस्ट के माध्यम से 'एसोसिएटेड जर्नल्स' में उनके शेयरों के स्वामित्व का कोई उल्लेख नहीं है।

जन प्रतिनिधि के रूप में मेरी पहली यात्रा होगी, जन सेनानी' के रूप में नहीं : प्रियंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाद्रा ने शनिवार को कहा वायनाड से निर्वाचित होने पर एक जन प्रतिनिधि के रूप में उनकी यह पहली यात्रा जरूर होगी, लेकिन एक 'जन सेनानी' के तौर पर नहीं क्योंकि लोकतंत्र, न्याय और संविधान में निहित मूल्यों के लिए लड़ना उनके जीवन की बुनियाद रही है।

प्रियंका ने कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर गत 23 अक्टूबर को वायनाड निर्वाचन क्षेत्र से अपना नामांकन दाखिल किया था। उन्होंने शनिवार को वायनाड के लोगों को लिखे खुले पत्र में कहा कि वह उनके साथ मिलकर काम करेंगी और उनके समक्ष मौजूद चुनौतियों का समाधान करने में मदद करेंगी। कांग्रेस नेता ने लोगों से समर्थन का आग्रह करते हुए कहा कि सांसद चुने जाने के बाद उनका काम वायनाड के लोगों के साथ संबंधों को और प्रगाढ़ बनाएगा और वह उनकी लड़ाई लड़ने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगी। उन्होंने कहा कि वायनाड के लोग इस यात्रा में ''मेरे मार्गदर्शक और शिक्षक'' होंगे। प्रियंका का कहना था, इस यात्रा में आप मेरे मार्गदर्शक और शिक्षक होंगे जो (मुझे आशा है) एक जन प्रतिनिधि के रूप में मेरी पहली यात्रा होगी, लेकिन एक जन सेनानी के रूप में मेरी पहली यात्रा नहीं होगी। लोकतंत्र, न्याय और हमारे संविधान में निहित मूल्यों के लिए लड़ना मेरे जीवन की बुनियाद रही है।

उन्होंने अपने पत्र में कहा, मैं आपके समर्थन से हमारे सभी के भविष्य के लिए इस लड़ाई को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक हूं और यदि आप मुझे अपना सांसद चुनते हैं तो मैं आपकी बहुत आभारी रहूंगी।

ओडिशा के बालासोर जिले का बड़ा क्षेत्र अचानक आई बाढ़ से प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बालासोर (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के बालासोर जिले का एक बड़ा क्षेत्र दाना चक्रवात के बाद हुई भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ से प्रभावित हुआ है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। पड़ोसी मयूरभंज जिले में सिमलीपाल पर्वतीय क्षेत्रों में हुई भारी बारिश के चलते बालासोर जिले में बुधबलंगा, सोनो और कंसाबंसा नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। राजस्व अधिकारियों के प्रारंभिक आकलन के अनुसार बालासोर जिले में ऊपदा, सोरो, खैरा, सिमुलिया प्रखंड सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं।

बालासोर जिले में भारी बारिश के कारण बुधबलंगा, सोनो और कंसाबंसा नदियों का जलस्तर धीरे-धीरे बढ़ रहा है। नीलगिरि क्षेत्र के करीब 20 गांव दो दिनों से जलमग्न थे, लेकिन शनिवार सुबह पानी कम हो गया। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने कहा, अब तक राज्य के किसी भी हिस्से में बाढ़ जैसी स्थिति नहीं है। बुधबलंगा नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर है, लेकिन हम इस पर कड़ी नजर रख रहे हैं।

ओडिशा अग्निशमन एवं आपात सेवा विभाग ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, बालासोर अग्निशमन सेवा की बचाव टीमों ने शनिवार को दोपहर लगभग साढ़े 12 बजे बालासोर के कथा संगदा, पीएस/प्रखंड-रेमुना से 10 फंसे हुए लोगों को बचाया गया। ओडिशा के पंचायत एवं पेयजल मंत्री रवि नारायण नाइक ने बालासोर में चक्रवात बाद की समीक्षा बैठक के बाद कहा, राज्य सरकार प्रभावित क्षेत्रों में सामान्य स्थिति बहाल करने की पूरी कोशिश कर रही है और चक्रवात के कारण बालासोर जिले में कोई हताहत नहीं हुआ है।

ओडिशा में चक्रवात और बारिश से 1.75 लाख एकड़ फसल बर्बाद, 2.80 लाख एकड़ जलमग्न: सरकार

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में भीषण चक्रवाती तूफान 'दाना' और बारिश के कारण 1.75 लाख एकड़ भूमि पर उपजी फसलें नष्ट हो जाने तथा 2.80 लाख एकड़ भूमि जलमग्न हो जाने की आशंका है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को प्रारंभिक अनुमानों का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार ने कृषि और राजस्व विभाग के अधिकारियों को चक्रवात के कारण फसल के नुकसान का आकलन करने का निर्देश दिया है। कृषि एवं किसान सशक्तीकरण विभाग के प्रधान सचिव अरबिंद पाधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, भीषण चक्रवाती तूफान 'दाना' के कारण 1,75,000 एकड़ (69,995 हेक्टेयर) भूमि पर फैली फसल के नष्ट हो जाने की आशंका है।

प्रशांत किशोर ने केंद्रीय मंत्री मांझी की जन सुराज के खिलाफ टिप्पणी की आलोचना की

पटना/भाषा। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने शनिवार को केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी की उस टिप्पणी के लिए उनकी आलोचना की, जिसमें मांझी ने नवगठित राजनीतिक पार्टी पर बिहार की चार विधानसभा सीटों के लिए होने वाले उपचुनाव में मतदाताओं को रिश्वत देने का आरोप लगाया है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री मांझी ने शुक्रवार शाम इमामगंज में एक रैली के दौरान जन सुराज पर यह आरोप लगाया था। इमामगंज सीट मांझी के लोकसभा में निर्वाचित होने के बाद रिक्त हुई है और इस सीट से हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा की टिकट पर उनकी पुत्रवधू दीपा चुनाव मैदान में हैं। मांझी ने कहा था, जन सुराज के लोग उपचुनाव में पार्टी को समर्थन देने के लिए लोगों से फॉर्म पर हस्ताक्षर करवा रहे हैं। मतदाताओं से वादा किया गया है कि जन सुराज उम्मीदवार की जीत पर उन्हें एक-एक लाख रुपए नकद दिया जाएगा। तरारी में चुनाव प्रचार कर रहे किशोर से जब इस आरोप के बारे में पूछा गया तो उन्होंने पलटवार करते हुए कहा, क्या मांझी को पता है कि वह क्या कह रहे हैं? हर विधानसभा क्षेत्र में करीब दो लाख मतदाता हैं। अगर हम उनमें से प्रत्येक को एक लाख रुपए देने का वादा कर रहे हैं, तो आप हिसाब लगा सकते हैं कि कुल कितनी रकम बनती है।

ओडिशा में मंदिर से लौट रही महिला से सामूहिक दुष्कर्म के आरोप में तीन लोग गिरफ्तार

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के नयागढ़ जिले में 21 वर्षीय महिला से सामूहिक दुष्कर्म करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि यह घटना 20 अक्टूबर की शाम को हुई जब महिला और उसका मंगेतर फतेगढ़ राम मंदिर से लौट रहे थे। मामले के संबंध में 24 अक्टूबर को दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, पुरुषों के एक समूह ने पिथाखई जंगल के समीप कथित तौर पर उन्हें रोका और उन्हें जबरन समीप के एक जंगल में लेकर गए। वहां उन्होंने उसके मंगेतर को चाकू के बल पर बंधक बना लिया और महिला से सामूहिक दुष्कर्म किया। इसमें कहा गया है कि आरोपियों ने इस घटना की वीडियो भी बनायी और एक वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। ओडिशा पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है, पुलिस ने महिला से कथित सामूहिक दुष्कर्म के संबंध में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

गुरुग्राम में आवासीय इमारत में लगी भीषण आग, 12 लोगों को बचाया गया

गुरुग्राम/भाषा। गुरुग्राम की कृष्णा नगर कॉलोनी में शनिवार को चार मंजिला इमारत में भीषण आग लग गई, जिसके बाद अधिकारियों ने महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों सहित सभी निवासियों को इमारत से बाहर निकाला। अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अग्निशमन विभाग के अधिकारी के अनुसार, यह घटना कृष्णा नगर कॉलोनी में एक रिहायशी इमारत में सुबह करीब नौ बजे हुई, आग लगने के कारण महिलाएं, बच्चों और बुजुर्गों सहित 12 लोग अंदर फंस गए। उन्होंने बताया कि इमारत से आग की लपटें और काला धुआं निकलता देख कुछ निवासी छत पर पहुंचे और मदद के लिए चिल्लाने लगे। पड़ोसियों ने निवासियों की मदद करने की कोशिश की। अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलने पर तुरंत दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं और बचाव अभियान शुरू किया गया और दमकल अधिकारियों ने निवासियों को सुरक्षित बचा लिया। उन्होंने बताया कि आग पर जल्द ही काबू पा लिया गया, हालांकि, इस घटना में कुछ परिवारों का कीमती सामान जलकर खाक हो गया। उन्होंने संदेह जताया कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी है, मामले की जांच की जा रही है।

मनरेगा पर 'आधार' आधारित प्रणाली का विनाशकारी असर हुआ, सरकार रोक लगाए : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को दावा किया कि सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी योजना (मनरेगा) के लिए आधार आधारित भुगतान प्रणाली (एबीपीएस) अनिवार्य किए जाने का इस योजना पर विनाशकारी प्रभाव पड़ा है और करीब 85 लाख पंजीकृत श्रमिकों के नाम इस कार्यक्रम से हटा दिए गए हैं।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि सरकार को तत्काल एबीपीएस की व्यवस्था पर रोक लगानी चाहिए।

रमेश ने एक बयान में कहा, जनवरी, 2024 में ग्रामीण विकास मंत्रालय ने मनरेगा के लिए आधार आधारित भुगतान प्रणाली (एबीपीएस) के राष्ट्रव्यापी कार्यान्वयन को अनिवार्य कर दिया। एबीपीएस पात्र होने के लिए श्रमिकों को कई शर्तों को पूरा करना होगा। मसलन, उनका आधार उनके जॉब कार्ड से जुड़ा होना चाहिए, आधार का नाम जॉब कार्ड पर दर्ज़ नाम से मेल खाना चाहिए और उनका बैंक खाता आधार से जुड़ा होना चाहिए और भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम के साथ मैप किया जाना चाहिए। उन्होंने दावा किया अब इसके 10 महीने बाद इस नीतिगत बदलाव के विनाशकारी प्रभाव का डेटा उपलब्ध है।

रमेश का कहना है, लिब टेक (शिक्षाविदों और कार्यकर्ताओं का एक संघ) द्वारा मनरेगा पोर्टल पर उपलब्ध सार्वजनिक डेटा पर किए गए विश्लेषण के अनुसार, सभी पंजीकृत श्रमिकों में से 27.4 प्रतिशत (6.7 करोड़ श्रमिक) और 4.2 प्रतिशत सक्रिय श्रमिक (54 लाख श्रमिक) एबीपीएस के अयोग्य हैं। अधिक चिंता की बात यह है कि इस साल अप्रैल और सितंबर के बीच मनरेगा के तहत पंजीकृत 84.8 लाख श्रमिकों ने पाया कि उनके नाम कार्यक्रम से हटा दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि एबीपीएस से संबंधित मुद्दे और नामों का इस तरह से हटाया जाना समग्र रूप से मनरेगा को प्रभावित कर सकता हैं। कांग्रेस महासचिव ने दावा किया कि मनरेगा में सृजित व्यक्ति दिवस (कार्यक्रम के तहत पंजीकृत व्यक्ति द्वारा एक वित्तीय वर्ष में पूरा किए गए कार्यदिवसों की कुल संख्या) में पिछले वर्ष से 16.6 प्रतिशत की गिरावट आई है। उन्होंने आरोप लगाया, एबीपीएस राष्ट्रीय मोबाइल मॉनिटरिंग सिस्टम (एनएमएमएस) के संयोजन में आता है। इन दोनों नीतियों के परिणामस्वरूप मांग पर काम करने के अधिकार और मनरेगा के तहत गारंटीकृत मजदूरी के समय पर भुगतान के अधिकार का उल्लंघन हो रहा है।

रमेश ने कहा, भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान देश भर के मनरेगा कार्यकर्ताओं ने 14 फरवरी 2024 को झारखंड के गढ़वा जिले के रंका में आयोजित जनसुनवाई में इन मुद्दों को उठाया। आठ महीने बाद भी ये मुद्दे बरकरार हैं। उन्होंने दावा किया कि यह सरकार द्वारा निर्मित मानवीय, आर्थिक और संस्थागत त्रासदी है।

रमेश ने कहा, ग्रामीण विकास मंत्रालय को तुरंत एबीपीएस और एनएमएमएस की इस जिद पर रोक लगानी चाहिए। साथ ही मनरेगा का बजट बढ़ाया जाना चाहिए और श्रमिकों की दैनिक मजदूरी में वृद्धि होनी चाहिए।

ओडिशा में दाना चक्रवात के दौरान लोगों से दुर्व्यवहार पर 4 सरकारी अधिकारी निलंबित

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने चक्रवात से संबंधित कार्य के दौरान लापरवाही बरतने और लोगों के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोप में चार अधिकारियों को निलंबित कर दिया। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने कहा कि प्रथम दृष्टया साक्ष्य मिलने के बाद तीन पंचायत विस्तार अधिकारियों (पीईओ) और एक राजस्व निरीक्षक (आरआई) को निलंबित कर दिया गया है। आरोपों के अनुसार, ये चार अधिकारी लोगों को चक्रवात आश्रय स्थलों तक पहुंचाने के लिए नियुक्त किए गए थे, जहां उन्होंने कुछ लोगों के साथ दुर्व्यवहार किया।

कांग्रेस नेताओं ने अध्यक्ष के रूप में खरगे के दो साल पूरा होने की बधाई दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और पार्टी के कई अन्य नेताओं ने पार्टी अध्यक्ष के रूप में मल्लिकार्जुन खरगे के दो साल का कार्यकाल पूरा होने के मौके पर शनिवार को उन्हें बधाई दी तथा पार्टी के प्रति उनके योगदान की सराहना की।

खरगे ने वर्ष 2022 में कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव में सांसद शशि थरूर को पराजित किया था। उन्होंने 26 अक्टूबर, 2022 को पदभार संभाला था।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मल्लिकार्जुन खरगे जी को कांग्रेस अध्यक्ष के दो साल पूरे करने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। आपके नेतृत्व ने पार्टी के जनसेवा के संकल्प को सशक्त किया है। आपका संघर्ष और अनुभव हमें प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि संविधान और जनता के हितों की रक्षा के लिए खरगे का मार्गदर्शन हर 'न्याय योद्धा' के लिए बहुमूल्य है।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा कि खरबे ने पार्टी को मजबूत नेतृत्व दिया है। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, खरगे जी को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष बने आज दो साल पूरे हुए। खरगे जी ने अथक मेहनत, अनुभवी दूरदर्शिता और बेमिसाल जीवटता के साथ पार्टी को मजबूत नेतृत्व दिया है।

प्रियंका ने कहा, सामाजिक न्याय, वंचितों के अधिकार और लोकतंत्र की प्रखर आवाज खरगे जी ने छात्र राजनीति से शुरुआत की और आज कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। उनका दशकों लंबा और सार्थक राजनीतिक जीवन कांग्रेस के हर एक कार्यकर्ता के लिए प्रेरणा है।

कांग्रेस के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल ने कहा, कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में दो वर्ष पूरे करने पर हमारे प्रिय खरगे जी को बहुत-बहुत बधाई। उनके मार्गदर्शन और नेतृत्व में और राहुल गांधी जी के वीरतापूर्ण प्रयासों से हम पहले से अधिक मजबूत हुए हैं तथा भाजपा-आरएसएस के शासन को एक कठिन चुनौती दी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में कांग्रेस और अधिक मजबूत होगी।

अश्विन और जडेजा से हर मैच में जीत दिलाने की उम्मीद करना अनुचित है : रोहित शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने शनिवार को रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा की स्पिन जोड़ी का बचाव किया, जिनके स्पिन के मुफीद पिच पर खराब प्रदर्शन के कारण टीम 12 साल में पहली बार घरेलू टेस्ट शृंखला गंवा बैठी।

एमसीए स्टेडियम की स्पिन के मुफीद पिच पर भारत पूरी तरह से मात खा गया और उसके शीर्ष स्पिनरों के विफलता से न्यूजीलैंड जीतने में सफल रहा। भारत को दूसरे टेस्ट में मिली 113 रन की हार के बाद कप्तान रोहित शर्मा से जब प्रेस कांफ्रेंस के दौरान भारतीय स्पिनरों के प्रदर्शन के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, वे इस बारे में जानते हैं। इन दोनों खिलाड़ियों से बहुत अधिक उम्मीदें हैं। उन्होंने कहा, वे जो भी मैच खेलते हैं, उनसे विकेट लेने और प्रतिद्वंद्वी टीम को दबाव में लाने तथा टेस्ट मैच जीतने की उम्मीद की जाती है। मुझे नहीं लगता कि यह उचित है। भारत का 2012-13 में इंग्लैंड से हारने के बाद से घरेलू मैदान पर लगातार 18 शृंखला जीतने का सिलसिला शनिवार को खत्म हो गया। इस स्वप्निल सफर की शुरुआत नवंबर 2011 में पदार्पण करने वाले अश्विन और दिसंबर 2012 में पहला टेस्ट खेलने वाले जडेजा ने खतरनाक स्पिन जोड़ी बनकर की थी। घरेलू सरजमीं पर एक साथ खेलते हुए अश्विन ने 55 टेस्ट मैच में 326 विकेट जबकि जडेजा ने 47 मैच में 225 विकेट लिए हैं। रोहित ने कहा कि टेस्ट जीतना सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, यह हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम टेस्ट जीतें, ना कि सिर्फ दो खिलाड़ी। निश्चित रूप से वे जानते हैं कि वे कहां खड़े हैं और वे क्या नहीं कर पाए हैं या उन्होंने वास्तव में क्या अच्छा किया है। उन्होंने कहा, दोनों ने यहां बहुत क्रिकेट खेला है और हमारी सफलता में बहुत बड़ा योगदान दिया है। घरेलू मैदान पर 18 शृंखला जीतने में इन दोनों ने मुख्य भूमिका निभाई है। रोहित ने कहा, मैं इस पर ज्यादा ध्यान नहीं दूंगा, विशेषकर इन दो खिलाड़ियों के मामले में। वे अच्छी तरह से जानते हैं कि क्या हुआ और कभी कभी उनके लिए भी कुछ मैच खराब हो सकते हैं।

सुविचार

हर व्यक्ति दिखने में अलग और स्वाभाव से भी अलग होता है। कोई दिखने में गोरा है, कोई काला है, कोई सीधा है, तो कोई क्रूर है परंतु सभी में इश्वर तत्व विद्यमान है। अतः सभी में ईश्वर की छवि देखना चाहिए।

ट्वीट

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने कहा, महाराष्ट्र में चुनाव आयोग का रवैया अच्छा नहीं है। महाराष्ट्राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने कहा, महाराष्ट्र में चुनाव आयोग का रवैया अच्छा नहीं है।

-अशोक गहलोत

जोधपुर में भव्य मानस रामलीला में प्रतिभाग का पुनीत सौभाग्य मिला। इसमें 300 से अधिक कलाकारों ने अपनी मेधा का मनभावन प्रदर्शन कर वातावरण सियाराममय बना दिया। जोधपुर राजस्थान की सांस्कृतिक ही नहीं धार्मिक राजधानी भी है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

इतिहास कथा

दिवाली की वह रात

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'
मोबाइल : 7379100261

नवम्बर महीने की 9 तारीख और सन 1942...दिवाली का दिन था। हजारीबाग सेंट्रल में कैदियों में उल्लास उछाल मार रहा था...जेल के घुटन और ऊब भरे माहौल में जोरदार ढंग से दिवाली मनाने की छूट जो मिली थी। इस गहमा-गहमी की आड़ में सोशलिस्ट नेता जयप्रकाश नारायण उर्फ जेपी की एक गुप्त योजना भी थी। सिर्फ बारह लोग इसे जानते थे। जेल की चौकस सुरक्षा व्यवस्था की आँख में धूल झोंककर आज की रात जेपी सहित छह राजबंदियों को यहाँ से फुर्र हो जाना था।

यह जेल के कठोर जीवन से ऊबकर पलायन नहीं था, बल्कि समय की जरूरत थी। गुलामी की बेड़ियों में जकड़ी भारतमाता की करुण पुकार थी, जिसे जयप्रकाश नारायण जैसे देशभक्त अनसुना नहीं कर सकते थे। वह सन 1940 से ही यहाँ थे। इससे पहले 'देवली कैम्प जेल' में थे। देवली जेल की हालत बहुत खराब थी। यहाँ के गंदे माहौल में कैद कई बुजुर्ग नेता गंभीर रूप से अस्वस्थ चल रहे थे। इस सम्बन्ध में जेपी जेलर से मिले और बोले-महाशय, जेल नियमावली में राजनीतिक बन्दियों के लिए जो प्रावधान हैं, यहाँ उनका पालन क्यों नहीं हो रहा है?

पहले जेलर ने टाल मटोल किया, फिर सरकारी रोब-दाब दिखने लगा। इससे गुस्साकर जयप्रकाश नारायण ने अपने कुछ मित्रों के साथ देवली कैम्प जेल तोड़ने और राजनीतिक बन्दियों को 'ए' श्रेणी दिए जाने की मांग पर आमरण अनशन कर दिया। अनशन तैंतीस दिन खिंचा, तब सरकार झुकी। मगर इस अनशन से उनका स्वास्थ्य एकदम चौपट हो गया था।

देवली कैम्प जेल टूट गई, तो जेपी हजारीबाग सेंट्रल जेल में स्थानान्तरित कर दिए गए। यहाँ अक्सर कृष्ण बल्लभ सहाय के साथ बैडमिन्टन खेल लेते। कभी-कभी दोपहर में जग्गू बाबू के साथ ताश जम जाता। रामबृक्ष बेनीपुरी, योगेन्द्रनाथ वगैरह से रोजाना आजादी के आंदोलन पर लम्बी बहस होती। उनमें उत्साह खूब था, लेकिन देवली का बिगड़ा स्वास्थ्य ज्यों का त्यों...वही पिचके गाल, आँखों के नीचे कालिमा, चलते तो झुककर...हफ्तों दाढ़ी नहीं बनाते, इससे और निस्तेज लगते। बीच बीच में साइटिका का दर्द भी उभर आता था।

इन्हीं दिनों 9 अगस्त 1942 को खबर मिली-गांधीजी ने खुली बगावत का ऐलान कर दिया है-करो या मरो। खूब प्रसन्न हुए थे जयप्रकाश जी यह सुनकर ! उनमें भी कुछ कर गुजरने की तमन्ना जग गई। उन्होंने फ्रांस की क्रांति को ध्यान में रखकर एक योजना तैयार की। फ्रांस में बोस्तील जेल में बन्द क्रान्तिकारी एकजुट होकर रातों-रात जेल तोड़कर बाहर आ गए थे। वही इतिहास यहाँ दोहराना था। जेल में कैद नेताओं के सामने उन्होंने अपनी योजना रखी। दूसरे ही दिन एक जमादार से संकेत मिला कि योजना की भनक अधिकारियों को लग चुकी है। अगले रोज प्रमाण भी मिल गया। पहरेदार बदल गए। चौकसी बढ़ गई।

जयप्रकाश नारायण और उनके खास साथी सन्नाटा खींच गए। यह नाटक सफल रहा। जेल अधिकारियों को लगा कि साजिश की खबर फर्जी थी। किसी ने झूठमूठ वेवकूफ़ बनाया। 9 अगस्त के बाद नेताओं की धर-पकड़ का जो सिलसिला आरम्भ हुआ था। यह अब तक जारी था। मध्य सितम्बर तक जेल की कोठरियाँ खूब आबाद हो चुकी थीं। ढाई सौ के आसपास नेता लोग इसी जेल में आ चुके थे। बाहर की जो खबर मिल रही थी, उसके हिसाब से देश के सारे बड़े नेता गिरफ्तार हो चुके थे। क्रांति में बिखराव आने लगा था।

जेपी बेचैन हो उठे। उन्हें स्पष्ट दिख रहा था कि नेताओं के अभाव में क्रांति की आग ठंडी पड़ जाएगी। ऐसी हालत में अंग्रेज आंदोलन को आसानी से कुचल डालेंगे। इसलिए जनता के बीच नेताओं का होना जरूरी लग रहा था। वह अपने विश्वस्त मित्रों को उकसाने लगे-अब हाथ पर हाथ रखकर बैठने का समय नहीं है। कुछ करना चाहिए, तभी आंदोलन में जान आएगी।

रामवृक्ष बेनीपूरी से नहीं रहा गया। कह बैठे-बात तो ठीक है, लेकिन आप का स्वास्थ्य...

जेपी झल्ला उठे-आप क्या समझते हैं, तंदरुस्ती ही सब कुछ है, उत्साह कुछ भी नहीं।

उसी दिन तय हो गया, दीपावली की रात में जयप्रकाश नारायण के साथ योगेन्द्रनाथ शुक्ल, शालिग्राम सिंह, रामनन्दन मिश्र, सूर्यनारायण सिंह और गुलाबचन्द्र जेल फांदकर फरार होंगे। बाकी रामवृक्ष बेनीपुरी, अवधेश प्रसाद सिंह वगैरह जेल के अन्दर रहकर इस फ़रारी को देर तक छुपाये रखेंगे। योजना पर विचार-विमर्श चलता रहा। किस तरफ से कैसे जेल फाँदना है, यह तय हुआ। बाहर खर्च के लिए नकद रुपयों, कपड़े और जरूरी सामानों की व्यवस्था होने लगी। इसी समय जोरदार ढंग से दिवाली मनाने का माहौल भी तैयार किया जाने लगा।

जेल में एक सप्ताह पहले से ही अद्वितीय दिवाली मनाने के कार्यक्रम बनने लगे थे। युवा राजबन्दियों में खूब उत्साह था। बुजुर्ग नेता उदासीन थे, पर इन लोगों ने कोई विरोध नहीं किया। बल्कि जेल अधिकारियों से कहकर रात बारह बजे तक खुले रहने का प्रबन्ध करा दिया था। दिवाली की रात में नाचने-गाने, प्रहसन और स्वांग बनने के कई कार्यक्रम तय थे। कई-कई बार इनके रिहर्सल हुए। दिवाली की सुबह से ही दीवानगी बढ़ने लगी थी। योगेन्द्रनाथ शुक्ल तो बावले हुए जा रहे थे-हाँ भाई, एक बार फिर सुनाओ तो वह वाला गाना... दिवाली फिर आ गई सजनी...और इसके साथ बाजा-वाजा भी तो है...पूरे साज के साथ सुनाओ...।

जयप्रकाश नारायण ने दो बजे से कृष्णबल्लभ सहाय से बैडमिन्टन का मैच बदा था। बाद में कभी खेलने का मौका मिले कि न मिले, इसलिए आज वे पूरे फार्म में खेले। मैच समाप्त होते होते शाम होने लगी थी। धूप जेल की मुँडेरों और पेड़ों के ऊपर झिलमिला रही थी। पक्षी घोंसलों की तरफ लौट रहे थे। समय परीक्षा की घड़ी के निकट घिसट रहा था और इसी के साथ योजना में शामिल राजबन्दियों के पेट का पानी हलहलाने लगा था।

सभी सतर्क थे और सशंकित भी ! बस, थोड़ा सा समय बचा है। सब मन माफिक हो गया तो...एक क्षण में मन में उत्साह के सैकड़ों दीपक टिमटिमा उठते। मगर अगले पल धुप्प अंधेरा छाने लगता...अगर न सफल हुए तो... इसी उहापोह के बीच रात करीब खिसक आई। पेड़ों पर चहचहाते पक्षी शांत हो गए थे। दीपावली के दीये जले। लोग गले मिले। एक नौजवान गा उठा-'दिवाली फिर आ गई सजनी...' थाली, लोटा, बाल्टी... जिसके हाथ जो लगा, उसी पर थाप देने लगे। कुछ जोड़ी पाँव थिरक उठे।

बहुत सुन्दर... क्या खूब... उत्साहित करने वाली थापियाँ और तालियाँ...जेल में इतने राजबन्दी... नामवर बुजुर्ग नेता हैं तो स्कूल-कालेज के छोकरे नेता भी ! जेलर और नायब जेलर किस-किस पर नजर रखते ? जरूरत भी क्या थी ? कोई ऐसी-वैसी जेल नहीं थी, सेंट्रल जेल थी। किसी हिन्दुस्तानी माई के लाल में इतना दम नहीं कि इसे फलांग सके। इसी दावे में जेल अधिकारी आश्वस्त हैं। देख रहे हैं, रंग जमता जा रहा है। उदासीन राजबन्दियों में भी उमंग जागने लगी थी। धीरे-धीरे वे भी राग-रंग में शरीक होने लगे थे..। जेलर, नायब जेलर और गार्ड लोग भी मजा ले रहे हैं।

इसी समय जेल के उस कोने में जिधर जामुन के पेड़ की छाया थी, किसी ने एक मेज लाकर रख दिया। एक आदमी मेज पर चढ़ गया। दूसरा उसके कंधे पर सवार हो गया और टटोलकर कंदील रखने का गवाक्ष मजबूती से पकड़ लिया। इसीबीच खिसकते हुए अन्य लोग भी आ गए। उनमें से एक मेज पर खड़े साथी की कमर पर पैर रखता दूसरे व्यक्ति के कंधे पर जा पहुंचा। दिवाल का आखिरी सिरा अब उसकी पकड़ में था। वह उचककर दीवाल पर चढ़ गया। चुपचाप उसने कमर में बंधी रस्सी निकाली, उसका सिरा मेज पर खड़े साथियों को पकड़ाकर दूसरा सिरा बाहर गिरा दिया और फिर रस्सी के सहारे नीचे उतरने लगा। कुल दस सेकेंड बाद वह जमीन पर था।

उसने अगल-बगल देखा और थोड़ी दूर जाकर जमीन पर लेट गया। इसके बाद रस्सी के सहारे दूसरा, फिर तीसरा और दो ढाई मिनट के अन्दर छहों राजबन्दी बाहर आ गए। अन्दर राग-रंग झूमकर चल रहा था। चलते-चलते इन लोगों ने सुना, अन्दर सुरीली तान छेड़े था-

क्या हिन्द का जिंदां कांप रहा है, गूंज रही हैं तक्बीरें।
उकताएं हैं शायद कुछ कैदी, औ' तोड़ रहे हैं जंजीरें...।

जेल फांदने में जेपी के पैर में चोट लग गई थी। इसलिए वह सबसे पीछे चल रहे थे। शालिग्राम सिंह आगे थे। उनको इस इलाके की जानकारी थी। अंधेरी रात और जंगल भरा पठारी इलाका...करीब दो-ढाई मील चले होंगे कि धुप्प अंधेरे में कुछ साथी झम्म से नाले में जा गिरे। कपड़े पानी से लथपथ...ठंड से दांत बजने लगे। शालिग्राम सिंह ने सुझाया-जरा रुको, कपड़े बदल लिए जाएं...।

मगर यह क्या, कपड़े और जरूरी सामानों की गठरी तो जेल में ही छूट गई थी। कुछ दूर और चलने पर जेपी को साइटिका का दर्द उभरने लगा। चलना मुश्किल हो गया। मगर रुक नहीं सकते थे। सभी बारी-बारी से सहारा देकर उन्हें चलते रहे...।

इधर जेल में जो साथी थे,उनकी व्यवस्था इतनी चौकस थी कि जेल अधिकारी इस घटना को अठारह घंटे तक नहीं जान पाए। दूसरे दिन बारह बजे के बाद भेद खुला तो दहकती हुई खबर पटना सचिवालय पहुंची। वहाँ से हर जिले के कलेक्टरों का फोन एक-एक कर घनघनाने लगा-सावधान, कोई बड़ी साजिश है..।

पूरे विहार में रेड एलर्ट...सारी जेलों के अधिकारी सतर्क कर दिए गए। पुलिस और खुफिया तंत्र चौकन्ना हो गया। हजारीबाग और आसपास हवाई जहाज मंडराने लगे। जंगल, पहाड़, खेत, मैदान सब जगह गिद्ध दृष्टि...आखिर फरार राजबन्दी किधर हैं ? समूचे विहार में खलभली भरा माहौल बन चुका था। लोग डरे-सहमे थे, तो अपने नेताओं के दुस्साहस पर उनको गर्व की अनुभूति भी हो रही थी।

इधर जयप्रकाश नारायण और उनके हमराही रात भर चलते रहे। दिन में भी छिपते-छिपाते यात्रा जारी रही। शाम को एक गाँव दिखा। शालिग्राम सिंह ने सबको छिपकर बैठ जाने को कहा और स्वयं गाँव में चले गए। यहाँ उनके एक परिचित दूबेजी थे। वे उन्हें लिवा आए। दूबेजी देशभक्त आदमी थे। सबसे मिलकर प्रसन्न हुए। आनन-फानन में सारी व्यवस्था की। सबको भोजन कराया। देहाती कपड़े दिये। आगे की यात्रा के लिए बैलगाड़ी की व्यवस्था करायी।

रात में यात्रा फिर आरम्भ हुई। जेपी का पैर घायल था। वह गाड़ी में लेटे। अन्य सब हाथों में कुल्हाड़ी और डंडे लेकर गाड़ी के आगे-पीछे चलते रहे। लग रहा था, गाँव वाले जंगल से लकड़ी काटने जा रहे हैं। सासाराम पहुँचकर जेपी ने सिर मुड़ाया, दाढ़ी नहीं बनवाई। सिर पर पगड़ी, घुटनों तक धोती और हाथ में लम्बी लाठी...इस वेश में रेल पर सवार होकर आंदोलन की ठंडी पड़ती आग दहकाने बनारस के लिए रवाना हो गये...।

इस घटना के बाद आज बयासवीं दिवाली गुजरने वाली है। मगर इस साहसिक अभियान वाली दिवाली की जगमगाहट स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास के पृष्ठों पर अपनी अनोखी चमक के साथ अब भी विद्यमान है।

जेल में एक सप्ताह पहले से ही अद्वितीय दिवाली मनाने के कार्यक्रम बनने लगे थे। युवा राजबन्दियों में खूब उत्साह था। बुजुर्ग नेता उदासीन थे, पर इन लोगों ने कोई विरोध नहीं किया। बल्कि जेल अधिकारियों से कहकर रात बारह बजे तक खुले रहने का प्रबन्ध करा दिया था। दिवाली की रात में नाचने-गाने, प्रहसन और स्वांग बनने के कई कार्यक्रम तय थे। कई-कई बार इनके रिहर्सल हुए। दिवाली की सुबह से ही दीवानगी बढ़ने लगी थी। योगेन्द्रनाथ शुक्ल तो बावले हुए जा रहे थे-हाँ भाई, एक बार फिर सुनाओ तो वह वाला गाना... दिवाली फिर आ गई सजनी...और इसके साथ बाजा-वाजा भी तो है...पूरे साज के साथ सुनाओ...।

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

माँ तुझे प्रणाम !

सामान्यतः दो किलोमीटर की परिधि के भीतर के काम पैदल करता हूँ। इससे प्रदूषण दूर करने में मेरा टिटिहरी योगदान हो जाता है। साथ ही पैदल चलने का अभ्यास भी बना रहता है। तीसरी बात है कि पैदल चलना मुझे प्रिय है। यह अवलोकन और चिंतन के अवसर प्रदान करता है। आज भी कुछ ऐसा ही हुआ। बैंक जाना था। दोपहर ढाई बजे का समय था। मैं निकल पड़ा पदयात्रा पर। अभी आधा किलोमीटर ही गया था कि देखता हूँ कि सामने से एक महिला चली आ रही है। आयु लगभग तीस-बत्तीस वर्ष, दुबली-पतली काया। उसके साथ दो बच्चे थे। बच्चों की औसत आयु छह वर्ष रही होगी। बच्चे जुड़वाँ लगे। दोनों बच्चे पाठशाला की गणवेश में थे। यह सामान्य दृश्य था, असामान्य था कि यह महिला अपने कंधों पर गैस सिलेंडर उठाए हुए थी। बच्चों को लेकर वह हमारे घर के निकट स्थित गैस एजेंसी के और जा रही थी। संभवतः वह घर से खाली सिलेंडर लेकर निकली होगी और बच्चों को स्कूल से साथ लेकर गैस एजेंसी की ओर जा रही है। संभव है कि पहले बच्चों को लेकर घर पहुँची हो, फिर सिलेंडर उठाकर निकली हो। यद्यपि बच्चों के कंधों पर लदा बस्ता, दूसरी संभावना को निरस्त कर रहा था।

सिलेंडर उठाए महिला बीच-बीच में ठहरती, अपने बच्चों को संभालती। बच्चे फुटपाथ से नीचे न उतरें, इसका ध्यान रखती। मेरी आँखों में पनघट से तीन-चार गागर भरकर अपने सिर पर उठा कर लाती महिलाओं के चित्र घूमने लगे। निर्माणाधीन इमारतों में सीमेंट-गारा ढोती महिलाएँ दिखने लगीं। सुबह उठने से रात सोने जाने तक 'ट्वेंटी फोर बाय सेवन' घर संभालती गृहिणियों की छवि मन के स्क्रिन पर चलचित्र-सी चलने लगी। शोकांतिका यह कि महिलाओं के श्रम को हमेशा कम आंका गया और समानता के सारे नियमों-दावों के बावजूद पुरुष की तुलना में बेगारी कम मिली।

पुरुष, एक स्त्री की कोख से जन्म लेकर धरा पर आता है। कालांतर में उसकी पत्नी की कोख से उसकी संतान जन्म पाती है। इन दो ध्रुवों के बीच भी शक्ति के अनेक रूप हैं। भीतर होने लगा अपनी कविता 'औरत' का पाठ। इसका एक अंश कहता है-

हाथी और अंधों की कहानी की तर्ज़ पर
सबने देखी अपनी सुविधा से
थोड़ी-थोड़ी औरत,
अफ़सोस-
किसीने नहीं देखी एक बार में
पूरी की पूरी औरत..!

स्त्री को समग्रता और समानता से देखने, समझने की आवश्यकता है। देखेंगे तो अपने इर्द-गिर्द बोझ ढोती, बराबरी से घर चलाती अनेक महिलाएँ पाएँगे। इनके कंधों पर भी अदृश्य सिलेंडर हैं। इनके श्रम का सम्मान कीजिए, इनका सम्मान कीजिए। कंधे पर सिलेंडर उठाए, अपने बच्चों को संभालती वह स्त्री गंतव्य की ओर बढ़ चुकी थी। मैंने मन ही मन इस रूप को प्रणाम किया।

नमस्तस्यै, नमस्तस्यै, नमस्तस्यै नमो नमः।

बोध कथा

बीरबल और जादुई गधे

एक समय की बात है, बादशाह अकबर ने अपने बेगम के जन्मदिन के लिए बहुत ही खूबसूरत और बेशकीमती हार बनवाया था। जब जन्मदिन आया, तो बादशाह अकबर ने वह हार अपनी बेगम को तोहफे में दे दिया, जो उनकी बेगम को बहुत पसंद आया। अगली रात बेगम साहिबा ने वह हार गले से उतारकर एक संदूक में रख दिया। जब इस बात को कई दिन गुजर गए, तो एक दिन बेगम साहिबा ने हार पहने के लिए संदूक खोला, लेकिन हार कहीं नहीं मिला। इससे वह बहुत उदास हो गईं और इस बारे में बादशाह अकबर को बताया। इस बारे में पता चलते ही बादशाह अकबर ने अपने सैनिकों को हार ढूंढने का आदेश दिया, लेकिन हार कहीं नहीं मिला। इससे अकबर को यकीन हो गया कि बेगम का हार चोरी हो गया है।

फिर अकबर ने बीरबल को महल में आने के लिए बुलावा भेजा। जब बीरबल आया, तो अकबर ने सारी बात बताई और हार को खोज निकालने की जिम्मेदारी उसे सौंप दी। बीरबल ने समय व्यर्थ किए बिना ही राजमहल में काम करने वाले सभी लोगों को दरबार में आने के लिए संदेश भिजवाया। थोड़े ही देर में दरबार लग गया। दरबार में अकबर और बेगम सहित सभी काम करने वाले हाजिर थे, लेकिन बीरबल दरबार में नहीं था। सभी बीरबल का इंतजार कर ही रहे थे कि तभी बीरबल एक गधा लेकर राज दरबार में पहुंच जाता है। देर से दरबार में आने के लिए बीरबल बादशाह अकबर से माफी मांगता है। सभी सोचने लगते हैं कि बीरबल गधे को लेकर राज दरबार में क्यों आया है। फिर बीरबल बताता है कि यह गधा

उसका दोस्त है और उसके पास जादुई शक्ति है। यह शाही हार चुराने वाले का नाम बता सकता है। इसके बाद बीरबल जादुई गधे को सबसे नजदीक वाले कमरे में ले जाकर बांध देता है और कहता है कि सभी एक-एक करके कमरे में जाएं और गधे की पूंछ पकड़कर चिल्लाए जहांपनाह मैंने चोरी नहीं की है। साथ ही बीरबल कहता है कि आप सभी की आवाज दरबार तक आनी चाहिए। सभी के पूंछ पकड़कर चिल्लाने के बाद आखिर में गधा बताएगा कि चोरी किसने की है। इसके बाद सभी कमरे के बाहर एक लाइन में खड़े हो गए और एक-एक करके सभी ने कमरे में जाना शुरू कर दिया। जो भी कमरे के अंदर जाता, तो पूंछ पकड़ कर चिल्लाना शुरू कर देता जहांपनाह मैंने चोरी नहीं की है। जब सभी का नंबर आ जाता है, तो अंत में बीरबल कमरे में जाता है और कुछ देर बाद कमरे से बाहर आ जाता है। फिर बीरबल सभी काम करने वालों के पास जाकर उन्हें दोनों हाथ सामने करने को बोलता है और एक-एक करके सभी के हाथ सूंघने लगता है। बीरबल की इस हरकत को देखकर सभी हैरान हो जाते हैं। ऐसे ही सूंघते-सूंघते एक काम करने वाले का हाथ पकड़कर बीरबल जोर से बोलता है, जहांपनाह इसने चोरी की है। ये सुनकर अकबर बीरबल से कहते हैं, तुम इतने यकीन के साथ कैसे कह सकते हो कि चोरी इस सेवक ने ही की है। क्या तुम्हें जादुई गधे ने इसका नाम बताया है। तब बीरबल बोलता है, जहांपनाह यह गधा जादुई नहीं है। यह बाकी गधों की तरह साधारण ही है। बस मैंने इस गधे की पूंछ पर एक खास तरह का इत्र लगाया है। सभी सेवकों ने गधे की पूंछ को पकड़ा, बस इस चोर को छोड़कर। इसलिए, इसके हाथ से इत्र की खुशबू नहीं आ रही है। फिर चोर को पकड़ लिया गया और उससे चोरी के सभी सामान के साथ ही बेगम का हार भी बरामद कर लिया गया। बीरबल की इस अक्लमंदी की सभी ने सराहना की और बेगम ने खुश होकर बादशाह अकबर से उसे उपहार भी दिलवाया।

वीर गाथा

एयर कमोडोर हरचरण सिंह : दुश्मन की गोलियां भी नहीं रोक पाईं विमान, हौसला था इतना ऊंचा, जितना आसमान

एयर कमोडोर हरचरण सिंह मंगत का जन्म 6 जून, 1932 को पंजाब के लुधियाना में हुआ था। उनके पिता का नाम श्रीराम सिंह मंगत है। वीरों और बलिदानियों की धरती पंजाब का हमारे देश की रक्षा में विशेष योगदान है। हरचरण सिंह सिक्ख गुरुओं, योद्धाओं और क्रांतिकारियों के बारे में पढ़ते-सुनते बड़े हो रहे थे। इसका असर उनके जीवन पर भी हुआ। हरचरण सिंह मंगत साल 1954 में भारतीय वायुसेना में भर्ती हुए थे। उन्हें अपने जीवन में कई अवसर मिले, जब हवाई हमले कर दुश्मन को तहस-नहस किया। उन्होंने साल 1965 के युद्ध में पाकिस्तान के खिलाफ बहुत पराक्रम दिखाया था।

जब साल 1971 में एक बार फिर रणभेरी बजी तो हरचरण सिंह अपना विमान लेकर दुश्मन को सबक सिखाने निकल पड़े थे। उस समय वे बतौर विंग कमांडर पश्चिमी क्षेत्र में सुखोई एसयू-7 विमान संचालित करने वाली ऑपरेशनल बॉम्बर स्क्वाड्रन नं. 32 के कमांडिंग ऑफिसर थे। हरचरण सिंह मंगत पर बहुत अहम जिम्मेदारी थी। उन्होंने पाकिस्तानी सीमा में काफी अंदर तक जाकर टोही मिशनों को अंजाम दिया। वे जो जानकारी लेकर आए, उसके आधार पर वायुसेना ने हमले की रणनीति बनाई और दुश्मन के ठिकानों पर खूब बम बरसाए थे। थल सेना ने भी उस सूचना के आधार पर धावा बोला और पाकिस्तान के बहुत बड़े भू-भाग पर कब्जा कर लिया था। यह पूरा मिशन काफी खतरनाक था, जिसे हरचरण ने बहुत बहादुरी से अंजाम दिया था। एक स्ट्राइक मिशन के दौरान उनके विमान पर तीव्र एंटी-एयरक्राफ्ट फायर से तीन बार हमला हुआ, लेकिन वे अपनी जान की बाज़ी लगाते हुए आगे बढ़ते रहे। उस समय दुश्मन के इंटरसेप्टर मौके पर आ गए थे। इसके बावजूद, उन्होंने अपने दल को खतरनाक स्थिति से बाहर निकाला और उसे सुरक्षित बेस पर ले गए थे। बाद में पता चला कि उनका विमान बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका था। उसकी नियंत्रण सतह का काफी हिस्सा अलग हो चुका था। हरचरण अपने बेहतरीन उड़ान कौशल और साहस के बूते ही उसे सुरक्षित लेकर आए थे। विंग कमांडर हरचरण सिंह मंगत ने असाधारण वीरता, दृढ़ संकल्प, उच्च स्तर के कौशल और शानदार नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया था। उन्हें महावीर चक्र से सम्मानित किया गया था। वे साल 1986 में बतौर एयर कमोडोर सेवानिवृत्त हुए।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दौरा

झामुमो उम्मीदवार कल्पना सोरेन शनिवार को रांची के गांवों और इलाकों का दौरा करते हुए निवासियों से बातचीत करती हुई।

मोदी द्वारा शुरू किए स्वच्छ भारत अभियान का असर गांवों से शहरों तक देखने को मिल रहा है : मुरुगन

भोपाल/भाषा। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ एल मुरुगन ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए स्वच्छ भारत अभियान का सकारात्मक असर देश के गांव-गांव से शहरों तक देखने को मिल रहा है।

मुरुगन ने पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) की भोपाल शाखा द्वारा नगर निगम के सहयोग से 'एक दशक स्वच्छता के, स्वच्छ भोपाल के लिए विशेष पहल' विषय पर शुक्रवार को यहां आयोजित एक दिवसीय मीडिया कार्यशाला 'वार्तालाप' को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि देश भर में 11.5 करोड़ से अधिक शौचालयों के निर्माण के साथ, स्वच्छ भारत अभियान के शुभारंभ के बाद से 10 वर्षों में भारत ने एक लंबी यात्रा तय की है।

मुरुगन ने कहा कि आज स्वच्छता अभियान के कारण पूरे देश में एक सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है, लोगों की जीवनशैली में एक महत्वपूर्ण बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि सरकारी कार्यालयों भी में 40 साल से पड़ी अनुपयोगी फाइलों को हटा दिया गया तथा 15 साल पुरानी गाड़ियों को भी 'स्क्रैप' के रूप में इस्तेमाल कर स्वच्छता को बढ़ावा दिया गया। मुरुगन ने कहा कि भोपाल में स्वच्छता के क्षेत्र में किए गए कार्य लोगों को प्रेरित करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि भोपाल नगर निगम ने अपने अथक प्रयास से भानपुर खंती को एक गोल्फ कोर्स जैसे सुंदर मैदान में तब्दील कर दिया।

मंत्री ने कहा कि भोपाल नगर निगम ने शहर में प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले 850 टन कचरे के प्रबंधन के लिए अभिनव रणनीति अपनाई है, जिसमें ईंधन स्रोत के रूप में खतरनाक कचरे का उपयोग करना भी शामिल है। उन्होंने कहा कि यह वैज्ञानिक अपशिष्ट निपटान, वेस्ट से वेल्थ' परियोजना और निर्माण अपशिष्ट के पुनर्चक्रण जैसे प्रयास अन्य शहरों के लिए एक 'रोल मॉडल' है। उन्होंने पत्रकारों से स्वच्छता अभियान के तहत किए जा रहे महत्वपूर्ण प्रयासों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए अपील की और इस मिशन को और अधिक सफल बनाने के लिए सकारात्मक भूमिका अदा करने की भी गुजारिश की।

भारत को विकसित अर्थव्यवस्था बनने के लिए क्रांतिकारी बदलाव की आवश्यकता है : इसरो प्रमुख

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस. सोमनाथन ने कहा है कि भारत को विकसित अर्थव्यवस्था बनने के लिए क्रांतिकारी बदलाव से गुजरना होगा। उन्होंने आर्थिक विकास को गति देने के लिए प्रौद्योगिकीय उन्नति और उत्पाद विकास के महत्व पर बल दिया। उन्होंने अंतरिक्ष क्षेत्र में अभिनव कार्य करने के लिए अरबपति कारोबारी एलन मस्क की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मस्क की उपलब्धियों ने इसरो समेत वैश्विक प्रयासों को प्रेरित किया है। सोमनाथन ने शनिवार को दिल्ली स्थित इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) के 13वें दीक्षांत समारोह में छात्रों को संबोधित करते हुए ये टिप्पणियां कीं। उन्होंने कहा, यदि भारत तीसरी, दूसरी या पहली सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनने की आकांक्षा रखता है, तो क्रांतिकारी बदलाव की जरूरत है। विकास केवल व्यापार और संसाधनों से नहीं होगा। हमें प्रौद्योगिकी में मूल्य सृजित करने की आवश्यकता है जो उत्पाद विकास को ताकत प्रदान करे।

मस्क के बारे में इसरो प्रमुख ने कहा, एलन मस्क अपने रॉकेट से सभी का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। यूरोप से लेकर रूस और चीन तक हर कोई देख रहा है कि वह क्या कर रहे हैं। वह एक महान व्यक्ति हैं और शानदार काम कर रहे हैं और हम सभी उनकी उपलब्धियों से प्रेरित हैं। इसरो प्रमुख ने अंतरिक्ष में भारत की हालिया प्रगति पर भी प्रकाश डाला, जिसमें देश के सफल चंद्र अभियानों का उल्लेख किया गया। उन्होंने हालांकि बताया कि गति बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास और नवाचार आवश्यक हैं। उन्होंने कहा, हम एक ऐसे स्तर पर पहुंच गए हैं जहां हम पांचवीं सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था हैं, लेकिन आगे बढ़ने के लिए हमें अपनी प्रौद्योगिकी का निर्माण और सुधार करना होगा। हमें प्रणोदन और भौतिक विज्ञान जैसे क्षेत्रों में अपनी विशेषज्ञता विकसित करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। सोमनाथन ने कहा, सरकार ने अंतरिक्ष में निजी निवेश और भागीदारी के महत्व को पहचाना है। इससे विकास की गति में तेजी आएगी, लागत कम होगी और हमारी वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। उन्होंने युवा इंजीनियरों और वैज्ञानिकों को नवाचार करने और ऐसी प्रौद्योगिकियां बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जो देश को आगे बढ़ा सकें।

राशि खन्ना अभिनीत 'द साबरमती रिपोर्ट' का टीजर किया आउट

मुंबई/एजेन्सी

फ़िल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' के मेकर्स ने इसका एक दिलचस्प टीजर जारी किया है, जिसमें यंग पैन-इंडिया स्टार राशि खन्ना और विक्रांत मैसी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म के मेकर्स ने सोशल मीडिया पर टीजर शेयर करते हुए लिखा, आज का हिंदुस्तान जवाब देना भी जानता है, और सवाल पूछना भी! सच्चाई को झकझोरा जा सकता है, लेकिन पराजित नहीं किया जा सकता। इस नए टीजर ने दर्शकों के बीच उत्साह और प्रत्याशा को बढ़ा दिया है। यह राशि खन्ना को एक रिपोर्टर के रूप में अपनी भूमिका में पूरी तरह से डूबे रहने, दर्शकों को आकर्षित करने और उन्हें फिल्म की रिलीज के लिए उत्सुक करने की एक बेहतरीन झलक देता है। इस मनोरंजक कहानी में, राशि साबरमती एक्सप्रेस घटना के पीछे की सच्चाई को उजागर करने के मिशन पर एक रिपोर्टर की भूमिका निभाती है, जबकि विक्रांत त्रासदी पर प्रकाश डालने में उसकी सहायता करता है।धीरज सरना द्वारा निर्देशित यह फिल्म 27 फरवरी, 2002 को गुजरात के गोधरा रेलवे स्टेशन के पास हुई दुखद घटना के विवरण की पड़ताल करती है। यह फिल्म 15 नवंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। 'द साबरमती रिपोर्ट' के अलावा, राशि खन्ना अपनी आगामी फिल्म 'तलाखों में एक' में विक्रांत मैसी के साथ फिर से काम करने के लिए तैयार हैं, जो जल्द ही रिलीज होने वाली है। इसके अलावा, उनकी एक तेलुगु फिल्म 'तेलुसु कड़ा' भी पाइपलाइन में है।

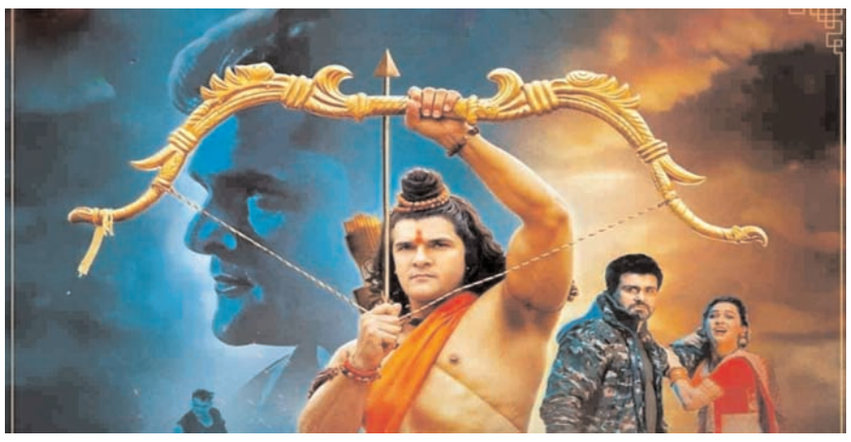

फिल्म 'राजाराम' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा के ट्रेंडिंग स्टार खेसारीलाल यादव की फिल्म राजाराम का ट्रेलर आज सारेगामा हम भोजपुरी के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज कर दिया गया है। टेक्नीशियन फिल्म फैक्ट्री के बैनर तले बनी फिलम राजाराम के निर्माता पराग पाटिल एवं आर.आर. प्रिंस हैं। पराग पाटिल इस फिल्म के निर्देशक भी हैं।फिल्म के ट्रेलर की शुरुआत मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के गेटअप में खेसारीलाल यादव की भव्य एंट्री से होती है, जिसमें उनके साथ लक्ष्मण के रूप में अभिनेता राहुल शर्मा नजर आते हैं। ट्रेलर में अगले ही पल खेसारीलाल यादव का मॉडर्न लुक देखने को मिलता है, जिसमें वे कहते हैं कि वे स्वयं भगवान राम नहीं हैं, बल्कि भगवान राम का चरित्र निभाते हैं।

पराग पाटिल ने कहा कि राजा राम दर्शकों के लिए एक यादगार अनुभव होगा। वहीं, खेसारीलाल यादव ने कहा, यह तो अभी ट्रेलर है, पूरी फिल्म बाकी है, जो दर्शकों को पसंद आएगी। मुझे यकीन है कि क्रिटिक्स भी इस फिल्म की तारीफ करेंगे।

इस फिल्म का दो गाने चुम्मा और चॉकलेटी ने धमाल मचाया है। इसमें चुम्मा चुम्मा को 15 मिलियन से अधिक व्यूज मिल चुका। यूट्यूब और इंस्टाग्राम पर दोनों गानों को अपने बेहद प्यार दिया है। ऐसे ही प्यार बनाए रखिए और फिल्म को भी इससे कहीं बढ़कर प्यार दीजिएगा, जब भी यह रिलीज होगी।

मृणाल ठाकुर ने ऋषिकेश में 'सर्वश्रेष्ठ पर्यावरण' की दिखाई झलक

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर उत्तराखंड के ऋषिकेश में ट्रैकिंग पर गईं और बेस्ट वातावरण की झलक दिखाई। मृणाल ने इंस्टाग्राम पर अपनी सुबह की सैर की कई तस्वीरें शेयर कीं। तस्वीरों में मृणाल कुछ दोस्तों के साथ धूप, हरियाली और पहाड़ों के नजारे का लुत्फ उठाती नजर आ रही हैं। उन्होंने लिखा, बेस्ट वातावरण... जब आप घोड़े बेचकर सो रहे थे। मृणाल फिलहाल उत्तराखंड में एक अनटाइटल्ड फिल्म की शूटिंग कर रही हैं, जिसमें एक्टर सिद्धांत चतुर्वेदी भी हैं। आईफा के 24वें संस्करण में एक्ट्रेस ने बताया कि फिल्म की शैली रोमांस है। इससे पहले, मृणाल ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें वह सेट पर कुत्तों के बच्चों और बिल्लियों के साथ खेलती नज़र आ रही थीं। एक्ट्रेस ने 2011 में रणबीर कपूर अभिनीत फिल्म रॉकस्टार से ए आर रहमान और मोहित चौहान के गाने नादान परिंदे का इस्तेमाल किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, मम्मा क्या मैं इन नादान परिंदों को घर ले जा सकती हूं???? प्लीज प्लीज प्लीज। मृणाल अगली बार बॉलीवुड सुपरस्टार अजय देवगन के साथ सन ऑफ सरदार में नज़र आएंगी। इस फ़िल्म का निर्देशन विजय कुमार अरोड़ा ने किया है। उनके पास वरुण धवन के साथ डेविड धवन की कॉमेडी फिल्म और 'पूजा मेरी जान' भी है। 32 वर्षीय एक्ट्रेस ने 2012 में टेलीविजन शो 'मुझसे कुछ कहती है...ये खामोशियां' से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। वह 'अर्जुन', 'कुमकुम भाग्य' जैसे शो में नजर आ चुकी हैं और नच बलिए 7 में भी हिस्सा ले चुकी हैं। मृणाल सोभिता धुलिपाला, अर्जुन माथुर, जिम सर्भ, शशांक अरोड़ा, कल्कि कोचलिन, शिवानी रघुवंशी और मोना सिंह अभिनीत वेब सीरीज़ मेड इन हेवन 2 का भी हिस्सा थीं। उन्होंने सुपर 30, बाटला हाउस, धमाका, सीता रामम, हाय नन्ना, जर्सी, पिप्पा और द फैमिली स्टार जैसी कई मशहूर फिल्मों में काम किया है। हाल ही में, उन्होंने प्रभास, अमिताभ बच्चन, कमल हासन और दीपिका पादुकोण अभिनीत साइंस-फिक्शन थ्रिलर कल्कि 2898 एडी में दिव्या की भूमिका निभाई।

खगोलविदों ने अंतरिक्ष में जटिल कार्बन अणु की खोज की- जीवन की उत्पत्ति को समझने के और करीब हुए

सिडनी। अमेरिका में मैसाच्युसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) के अनुसंधानकर्ताओं के नेतृत्व में एक टीम ने गैस और धूल के एक सुदूर अंतरतारकीय बादल में कार्बन युक्त बड़े अणुओं की खोज की है। यह उन लोगों के लिए रोमांचकारी है, जो ज्ञात अंतरतारकीय अणुओं की जानकारी रखते हैं और उन्हें उम्मीद है कि हम यह पता लगा सकेंगे कि ब्रह्मांड में जीवन की उत्पत्ति कैसे हुई।

लेकिन यह अणु की सूची में एक और अणु से कहीं ज्यादा है। 'साइंस' पत्रिका में आज प्रकाशित अनुसंधान के निष्कर्षों के मुताबिक जटिल कार्बनिक अणु (कार्बन और हाइड्रोजन के साथ) संभवतः ठंडे, काले गैस बादल में मौजूद थे, जिसने हमारे सौर मंडल को जन्म दिया। इसके अलावा,ये अणु पृथ्वी के निर्माण के बाद तक एक साथ बने रहे। यह हमारे ग्रह पर जीवन की प्रारंभिक उत्पत्ति को समझने के लिए महत्वपूर्ण है। इस अणु को पाइरीन कहा जाता है, जो एक पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन या संक्षेप में पीएएच है। जटिल लगने वाले इस नाम से हमें पता चलता है कि ये अणु कार्बन परमाणुओं के छल्लों से बने हैं। कार्बन रसायन पृथ्वी पर जीवन का आधार है। लंबे समय से ज्ञात है कि पीएएच अंतरतारकीय माध्यम में प्रचुर मात्रा में पाया जाता है, इसलिए वे पृथ्वी पर कार्बन-आधारित जीवन कैसे आया, इसके सिद्धांतों में प्रमुखता से शामिल हैं।

हम जानते हैं कि अंतरिक्ष में कई बड़े पीएएच हैं, क्योंकि खगोलशास्त्रियों को दृश्य और इंफ्रारेड प्रकाश में उनके संकेत मिले हैं। लेकिन हमें नहीं पता कि वे विशेष रूप से कौन से पीएएच हो सकते हैं। पाइरीन अब तक अंतरिक्ष में पाया गया सबसे बड़ा पीएएच है, हालांकि इसे 'छोटा' या साधारण पीएएच कहा जाता है, जिसमें 26 परमाणु होते हैं। लंबे समय से यह माना जाता था कि ऐसे अणु तारा निर्माण के कठोर वातावरण में बचे नहीं रह सकते। मान्यता थी कि जब नवनिर्मित तारे से निकलने वाले विकिरण में सबकुछ डूबा रहता है, तो जटिल अणु नष्ट हो जाते हैं।

यहां तक जबतक ऐसे अणु नहीं मिले थे, तब ऐसा माना जाता था कि दो से अधिक परमाणुओं वाले अणु इसी कारण से अंतरिक्ष में मौजूद नहीं हो सकते। साथ ही, रासायनिक मॉडल दिखाते हैं कि पाइरीन बनने के बाद उसे नष्ट करना बहुत मुश्किल है। पिछले वर्ष, वैज्ञानिकों ने बताया कि उन्हें हमारे अपने सौरमंडल के रयुगु नामक क्षुद्रग्रह के नमूनों में बड़ी मात्रा में पाइरीन मिला है।

सोनू सूद ने वृंदावन में गौशाला का दौरा किया

वृंदावन/एजेन्सी

जनता के हीरो सोनू सूद ने हाल ही में उत्तर प्रदेश के वृंदावन में एक गौशाला का दौरा किया, जहाँ उन्होंने गायों को चारा खिलाया। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए एक वीडियो में सूद गायों को चारा खिलाते हुए गौशाला में घूमते हुए दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, कितना अच्छा लग रहा है यहाँ पर आकर। करीब 400 से ऊपर यहाँ पर हमारी गौ माता है और जब आप इनको खाना खिलाते हैं तो मुझे लगता है कि, एक अलग फीलिंग होती है आपको। अपने सामाजिक प्रयासों के लिए प्रसिद्ध, सूद ने कई फैंस का दिल जीत लिया है, जो उनके सच्चे और नेक कार्यों की सराहना करते हैं। वीडियो पोस्ट करने के बाद, फैंस ने तारीफों के साथ कमेंट्स की बाढ़ ला दी, जिसमें से एक ने कहा, ग्रेट मैन, रिस्पेक्ट! और दूसरे ने उन्हें रियल हीरो कहा। इस तरह के रिस्पांस लोगों के बीच उनके फेवरेट पब्लिक फिगर के रूप में उनकी स्थिति को उजागर करती हैं। सिनेमाघरों की बात करें तो सोनू सूद एक्शन से भरपूर साइबर क्राइम थ्रिलर 'फतेह' के साथ निर्देशन के क्षेत्र में कदम रखने जा रहे हैं, जो 10 जनवरी, 2025 को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म का निर्माण ज़ी स्टूडियो और शक्ति सागर प्रोडक्शन्स ने किया है। इसमें नसीरुद्दीन शाह और जैकलीन फर्नांडीज जैसे कई बेहतरीन कलाकार भी हैं और यह फ़िल्म हॉलीवुड स्तर का सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है।

लांच

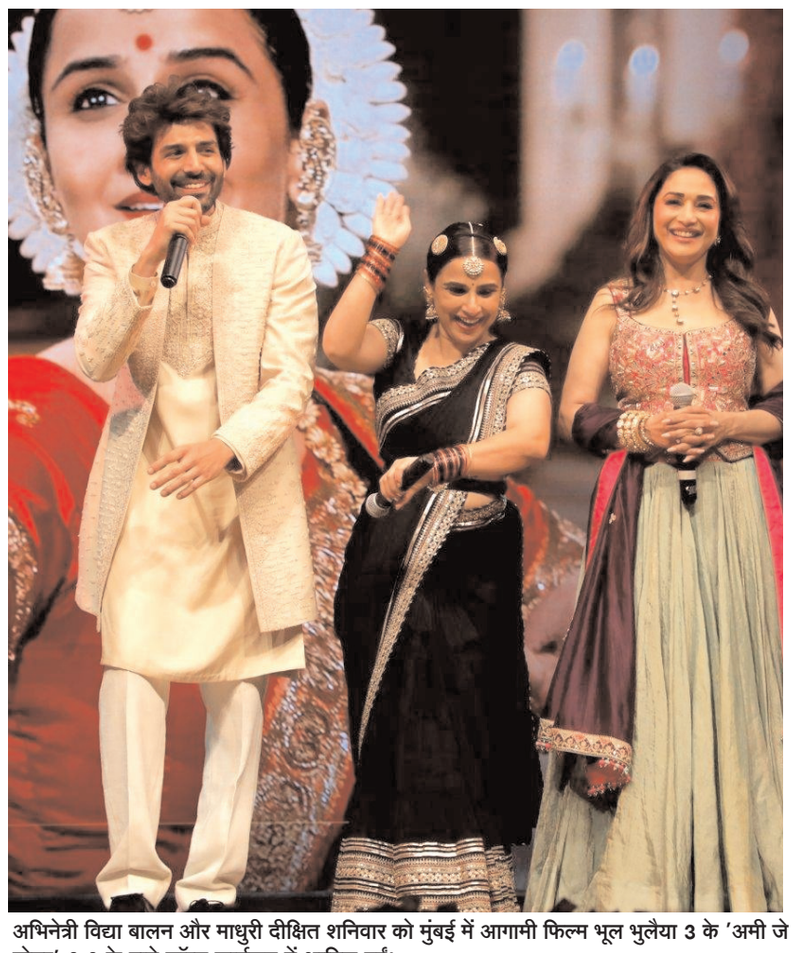

अभिनेत्री विद्या बालन और माधुरी दीक्षित शनिवार को मुंबई में आगामी फिल्म भूल भुलैया 3 के 'अमी जे तोमर' 3.0 के गाने लॉन्च कार्यक्रम में शामिल हुईं।

'ख्वाबों का झमेला' में नजर आएगी प्रतीक बब्बर और सयानी गुप्ता की जोड़ी

मुंबई/एजेन्सी

जियो स्टूडियोज और बावेजा स्टूडियोज की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'ख्वाबों का झमेला' में प्रतीक बब्बर और सयानी गुप्ता की जोड़ी नजर आयेंगी। जियो स्टूडियोज और बावेजा स्टूडियोज एक बार फिर दानिश असलम द्वारा निर्देशित एक अनोखी रोमांटिक फिल्म कॉमेडी ख्वाबों का झमेला के लिए साथ आ रहे हैं। प्रतीक बब्बर, सयानी गुप्ता और कुबरा सैत अभिनीत यह फिल्म 08 नवंबर को जियो सिनेमा प्रीमियम पर प्रीमियर होगी। प्रतीक बब्बर ने कहा,दर्शकों को हंसाने से ज्यादा मुश्किल कुछ नहीं है। ख्वाबों का झमेला के साथ इस चुनौती को स्वीकार करना मजेदार था। यह फिल्म आत्म-खोज की एक मजेदार और दिल को छू लेने वाली यात्रा है। सयानी गुप्ता ने कहा, ख़्वाबों का झमेला की स्क्रिप्ट बहुत शानदार है। मज़ेदार, दुखद और वाकई

शानदार। दानिश, अर्पिता और प्रतीक के साथ फिर से काम करना शानदार रहा और एक इंटिमेसी कोच की भूमिका निभाना मेरे लिए बिल्कुल नया अनुभव था। यह एक ऐसा विषय है जिसे भारतीय सिनेमा में वास्तव में नहीं दिखाया गया है। दानिश ने कहानी को हम सभी के लिए प्रासंगिक बना दिया। ठंड में शूटिंग करने से हमारा दिमाग खराब हो गया, लेकिन यह एक ऐसा अनुभव था जिसे मैं कभी नहीं भूल पाउंगी।

निर्देशक दानिश असलम ने कहा,रोमांटिक कॉमेडी वापस आ गई है।मुझे लगता है कि ऐसी कहानियाँ बताने वाली भारतीय फ़िल्मों की कमी है, जहां प्यार बस एक स्वाइप की दूरी पर है। 'मैं सेट पर ऊर्जा को स्क्रीन पर उतारने में दृढ़ विश्वास रखता हूँ और यह कलाकार जितने प्रतिभाशाली हैं उतने ही पागल भी हैं। प्रतीक, सयानी और कुबरा के साथ काम करना एक बेहतरीन अनुभव था। ज्योति देशपांडे, पम्मी बावेजा, हरमन बावेजा और विक्की बाहरी द्वारा निर्मित और दानिश असलम द्वारा निर्देशित, ख्वाबों का झमेला प्यार में प्रतीक बब्बर, सयानी गुप्ता और कुबरा सैत की अहम भूमिका है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | रविवार | 27-10-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्थानीय हनुमंतनगर स्थित जैन स्थानक में धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने कहा किविनय धर्म का मूल है।

'मातृछाया' के स्वास्थ्य और कैंसर जागरुकता शिविर में 380 जरुरतमंद हुए लाभान्वित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के 'मातृछाया' जैन महिला संगठन द्वारा एनआर कॉलोनी स्थित एपीएस एजुकेशनल ट्रस्ट में निःशुल्क स्वास्थ्य और कैंसर जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रुप में बसवनगुडी क्षेत्र के विधायक रवि सुब्रमण्यम, एपीएस एजुकेशनल ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ विष्णुभरत आलमपल्ली, सचिव ए. प्रकाश, रामैया हॉस्पिटल के डॉ मोहन, डॉ लक्ष्मीनारायण, मुख्य प्रायोजक कनकराज संचेती, विशिष्ट अतिथि जैन कांफ्रेंस की राष्ट्रीय प्रमुख मार्गदर्शिका रतनीबाई मेहता, धीरेन्द्रकुमार सिंघी के साथ संगठन की पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलन किया। रामैया हॉस्पिटल के सहयोग से आयोजित इस शिविर में आधुनिक मशीनों के माध्यम से लगभग 380 जरूरतमंदों की कैंसर एवं स्वास्थ्य की जांच की गई।

मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने बताया कि संगठन का प्रयास है कि उन लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएँ पहुंचे, जिनके पास साधन और जानकारी का अभाव है। अध्यक्ष ललिता नागोरी ने बताया कि 'मातृछाया' पिछले 26 वर्षों से मानव सेवा, जीवदया, स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक जागरुकता और मानवीय कार्यों में कार्यरत है। डॉ. विष्णु भरत आलमपल्ली ने मातृछाया के कार्यो की सराहना की। डॉ लक्ष्मीनारायण ने कहा कि नियमित स्वास्थ्य जांच, सही खान-पान, और नियमित व्यायाम से कई बीमारियों से बचा जा सकता है। कैंसर जैसी घातक बीमारी भी प्रारंभिक अवस्था में पकड़ी जाए तो उसका उपचार संभव है और एक स्वस्थ जीवन का आनंद लिया जा सकता है।

प्रायोजक गीतादेवी कनकराज संचेती ने कहा कि मातृछाया के इस सेवा कार्य से गरीब और वंचित लोगों को स्वस्थ और जागरूक जीवन जीने का अवसर मिल रहा है। मंच संचालन करते हुए सचिव रेशमा बड़ोला ने जानकारी दी कि शिविर में कैंसर परीक्षण के साथ ही ईएनटी, डेंटल, आर्थोपेडिक, रक्तचाप, मधुमेह, डर्माटोलॉजी, नेत्र जांच आदि परिक्षण हेतु विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम उपस्थित है। पूर्व पार्षद कविता जैन ने विचार व्यक्त किए। व्यवस्था में उपाध्यक्ष पुष्पा बोहरा, निर्मला दांतेवाड़िया, कांता समदड़िया, पुष्प नागोरी, लीला भंसाली, त्रिशला दांतेवाड़िया सहित अनेक सदस्याएं उपस्थित थीं।

'मन की शांति के लिए जिनवाणी अतिआवश्यक'

बेंगलूरु। शहर के गणेश बाग में चातुर्मासार्त विराजित मुनिश्री विनयमुनिजी ने उत्तराध्ययन सूत्र पर प्रवचन में कहा कि प्रज्ञापना सूत्र में भगवान महावीर स्वामी के उपदेश को आर्य श्याम ने 2200 वर्ष पूर्व 'पृथ्वी' को त्रस जीवों को जीने का आधार माना है। पानी से संसार के जीवों प्यास बुझती है वैसे ही मन की शांति के लिए जिनवाणी का पानी पीना चाहिए। धर्म कथा को शास्त्रों में स्वाध्याय का अन्तिम भेद माना है। धर्मकथा द्वारा अपने जीवन को ज्ञान की चक्षु-आखों से मन में विकारों का कचरा कितना भरा है,जान सकते है। आत्मा के हम ही शत्रु है, मित्र भी हम ही है। जो स्वयं की आत्मा को नहीं संभाल सकता है वो क्या किसी का मित्र बनेगा? पत्थरों के मोह में हीरे मोती सोना चांदी के मोह में धर्म कर्म न्याय नीति मानो तिलाञ्जलि दे दी है। अज्ञान को मित्र बना रखा है फिर हमें सदबुद्धि कैसे मिलेगी । इस दुनिया में प्रत्येक मनुष्य की सबसे प्रिय वस्तु यदि कोई है तो अपनी अपनी आत्मा है। जो अपनी आत्मा का प्रिय नहीं बन सका वो धन (पत्थर हीरे सोने चांदी) को महा प्रिय बनाकर स्वयं ही स्वयं का दुश्मन बना लिया है। जो जीवन जीने के साधन है उनको साध्य बना लिया। संघ प्रवक्ता राजू सकलेचा ने सभी का स्वागत किया और महामंत्री संपतराज मांडोत ने धन्यवाद दिया।

'माता, पिता और गुरु की आज्ञा हमारे जीवन का सुरक्षा कवच'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय हनुमंतनगर स्थित जैन स्थानक में धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने कहा कि विनय धर्म का मूल है। जैन धर्म-दर्शन अहिंसा-त्याग प्रधान होने के कारण यहां जगत के समस्त प्राणीमात्र के प्रति दया, करुणा, स्नेह-प्रेम और सब जीवों की रक्षा का मंगल संदेश सभी तीर्थकर परमात्मा, आगम-शास्त्र में स्थान-स्थान पर अहिंसा को परम श्रेष्ठ महान धर्म बताते हुए हर इंसान-साधक को अपने जीवन व्यवहार और आचरण के हर क्षेत्र में अहिंसा की सम्यक पालना सुनिश्चित करने की, ध्यान रखने की बात कही है।

अहिंसा, संयम और तप रूपी धर्म की उत्कृष्ट आराधना मानव के लिए कल्याणकारी मंगलकारी और हितकारी बताई गई हैं और भव्य जीवों के साक्षात मोल का मार्ग प्रशस्त रुप जीवन में सबके लिए हमेशा आचरणीय बताया है।

साध्वीश्री स्नेहप्रभाजी ने उत्तराध्ययन सूत्र का विवेचना करते हुए कहा कि श्रमण साधक के संयम पालना में नियत उसका सम्यक आकारूप विधि-विधान को यहां सामाचारी कहा गया है। यह व्यवस्था रूप-दिनचर्या श्रमण जीवन के साथ प्रत्येक सदगृहस्थ. साधक के जीवन- व्यवहार के लिए भी उतनी ही हित शिक्षा रूप प्रेरक संदेश प्रदान करती है।

प्रभु महावीर का सम्बोधन जहाँ मुनि संयमी चारित्र आत्माओं के संयम पालन रूप इंगित किया है लेकिन वस्तुतः प्रभु की जिनवाणी, श्रुत देशना यह हित शिक्षा रूप सभी आगार धर्म का पालन करने वालों के लिए भी दैनिक जीवन व्यवहार में इन शिक्षा-सदसंस्कारों रूप वचनों का पालन करने पर हर सदगृहस्थ भी अपने समय का नियोजन करते हुए, प्रत्येक कार्य में अपने माता-पिता, और गुरु की आज्ञा लेकर फिर कार्य-सम्पादन करने से उस मानव का बड़ों के आशीर्वाद-आज्ञा लेने से उस इंसान को हर कार्य में मनोवांछित सफलता-सुख की प्राप्ति होगी। संघमंत्री सुरेशकुमार धोका ने कार्यक्रम का संचालन किया।

जेबीएन वी-कनेक्ट रेफरल मीट का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जीता लेडीज विंग द्वारा जेबीएन वी-कनेक्ट रेफ़रल मीट का आयोजन जीतो कार्यालय में हुआ। मुख्य प्रशिक्षक के रूप में में प्रयास ग्रुप की अध्यक्ष किरण नागोरी ने सदस्यों के कारोबार को बढ़ाने और उन्हें अगले स्तर पर ले जाने का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने यह भी बताया कि हम अपने व्यापार और व्यवसाय विकास के इर्द-गिर्द कार्य करे। उन्होंने अपने अनुभव साझा किए तथा प्रभावी नेटवर्किंग के मूल तत्वों पर प्रकाश डाला।

नवमनोनीत लेडीज विंग अध्यक्ष लक्ष्मी बाफ़ना ने सभी को प्रोत्साहित करते हुए शुभकामना दी। मेंटर सुष्मिता सेठिया ने जेबीएन सदस्यों को बिज़नेस कौशल के गुर बताए। सुशीला श्रीश्रीमाल ने सर्वश्रेष्ठ पोशाक, तनुजा मेहता ने सर्वश्रेष्ठ 30 सेकेंड व्यवसाय प्रस्तुति, उच्चतम व्यवसाय हेतु मीना जैन ने पुरस्कार प्राप्त किया। रेफ़रल हेड सीमा शाह ने सभी का स्वागत किया। रेफ़रल लीड मीना जैन ने रिपोर्ट प्रस्तुत की। रेफ़रल मंत्री लीला पितलिया ने संचालन किया। लेडिस विंग पूर्व अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी, उपाध्यक्ष सुमन वेदमुथा, सुमन सिंघवी, महामंत्री रक्षा छाजेड, सहमंत्री मीना बड़ेरा, सुमन रांका कोषाध्यक्ष तनुजा मेहता सहित कार्यसमिति सदस्याएं मौजूद थीं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गौसेवा सहयोग

बेंगलूरु के ब्यावर संघ युवा शाख द्वारा ब्यावर गौशाला में शेड बनवाने में सहयोग दिया। गौशाला में शेड का कार्य प्रगति पर है, संघ के पदाधिकारी युवा शाखा अध्यक्ष ललित डाकलिया, महामंत्री कुलदीप छाजेड़, संघ के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप छाजेड़, उत्तमचंद डाकलिया,अशोक कुमार, मनीष जैन ने निर्माण कार्य का निरीक्षण किया।

जीतो साउथ लेडीज विंग ने साइबर तकनीक के अच्छे व गलत तथ्यों को जाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो लेडीज विंग साउथ के द्वारा सेंटर फॉर एक्सीलेंस के अंतर्गत 'आईज इन द क्लाउड' कार्यक्रम का आयोजन इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ वर्ल्ड कल्चर बसवनगुड़ी में किया गया। लेडीज विंग चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि किसी भी कार्य को करने में पूरी टीम का सहयोग चाहिए एवं आज इस कार्यक्रम के माध्यम से हम सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान के इस रूप को कुछ समझ पाएंगे। महामंत्री निधि पालरेचा ने संचालन करते हुए नई टीम का परिचय कराया। साउथ चैप्टर के अध्यक्ष रंजीत सोलंकी ने लेडीज विंग को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारा जीवन इंटरनेट के तकनीकी नियंत्रण और प्रभाव पर आधारित है। आज हम देखते हैं कि कैसे प्रभावशाली लोग विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर अपने जीवन को साझा करते हैं, जो कई युवाओं को उनका अनुसरण करने के लिए प्रेरित करता है। लेडीज विंग साउथ के संयोजक प्रवीण सोफाड़िया ने लेडीज विंग के कार्यों की सराहना की। दो सत्रों में करीब 300 प्रतिभागी ने फिल्म स्क्रीनिंग में शामिल हुए।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कार्तिक सोनेगरा ने एक प्रस्तुति देते हुए साइबर परेशानियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि हमारे जीवन पर प्रौद्योगिकी का नियंत्रण, हमारी निजता पर आक्रमण, रील/रियल के बीच अंतर, व्यक्तिगत विवरण साझा करने से पहले नियम और शर्तें का ज्ञान, विशेषज्ञों से मदद मांगना, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के फायदे और नुकसान, इंटरनेट के लिए समय सीमित करें, युवाओं को शिक्षित करना आदि विषयों पर प्रभावी ढंग से बताया गया। इस कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष निशा सामर, अनिता पिरगल, सुनीता गांधी, केकेजी संयोजिका पिंकी जैन, नार्थ लेडीज विंग चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना, महामंत्री रक्षा छाजेड़ आदि उपस्थित थीं। संयोजिका रेखा जैन एवं सहसंयोजिका संगीता सियाल ने कार्यक्रम का संयोजन किया। इस अवसर पर जीतो लेडीज विंग उपाध्यक्ष लता बोहरा, नीलम शांड, कोषाध्यक्ष संगीता पारख, सहमंत्री साक्षी जैन एवं चन्द्रा जैन आदि उपस्थित थीं।

अनेक कार्यक्रमों के साथ मनाई 'खुशियों की दीपावली'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल आरआर नगर द्वारा 'खुशियों की दीपावली' के अंतर्गत आत्मा का विमोचन एवं क्षमा का अभ्यास विषय पर कार्यशाल, अनासक्त भावना एवं स्वच्छता विषय पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अध्यक्ष सुमन पटवारी ने सभी का स्वागत किया। सह संयोजिका सपना छाजेड़ ने मुख्य वक्त बरखा पुगलिया का परिचय दिया। आशा लोढ़ा ने रंगोली प्रतियोगिता के निर्णायक दीपा मूर्ति का परिचय दिया। बरखा पुगलिया ने आत्मा के विमोचन विषय पर अपनी अभिव्यक्ति देते हुए कहा कि भगवान महावीर ने आत्म विमोचन के लिए हमारे सामने अनेक सिद्धांत एवं बिंदु उपस्थित किए। जिसका सबसे महत्वपूर्ण और प्रथम बिंदु है क्षमा। एक खुशनुमा और सुखद जीवन जीने के लिए क्षमा का होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि दीपावली पर घर की सफाई तो सभी करते हैं इस दीपावली पर हम सबको आत्मा की सफाई करनी है उसे उज्ज्वल बनाना है। मधु कटारिया द्वारा अनेक रोचक ज्ञानवर्धक गेम खिलाए गए। अनासक्त भावना और स्वच्छता विषय पर रचनात्मक रंगोली की प्रतियोगिता हुई जिसमें 10 महिलाओं ने भाग लिया और विजेताओं का सम्मान किया गया। इस मौके पर अन्य विजेताओं के साथ ज्ञानशाला की प्रशिक्षिकाओं का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन संयोजिका रुचिका पटवारी व सह संयोजिका सपना छाजेड़ ने किया। पदमा महेर ने धन्यवाद दिया।

महावीर वर्षीतप भवन निर्माण की शिलान्यास विधि सम्पन्न

साकरिया परिवार ने विधि विधान से किया शिलान्यास

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय महावीर स्वामी वर्षीतप चैरिटेबल ट्रस्ट चामराजपेट के तत्वावधान में आचार्यश्री अरविंदसागरसूरीश्वरजी की प्रेरणा व मुनिश्री राजपद्मसागरजी व साध्वीश्री संयमपूर्णाश्रीजी की निश्रा में लाभार्थी सोहनलाल, घेवरचंद, बिपिन साकरिया परिवार द्वारा भारत वर्ष का प्रथम वर्षीतप ऐतिहासिक भवन निर्माण के शिलान्यास विधि विधान से सम्पन्न हुआ। मुनिश्री राजपद्मसागरजी ने लाभार्थी परिवार के इस सुकृत कार्य की अनुमोदना करते हुए कहा कि शिलान्यास नींव रखने वाले परिवार पुण्यशाली होते हैं वो हर समय उन्नति व धर्म के मार्ग पर चलते हैं। साध्वीश्रीजी ने कहा कि आज भगवान महावीर स्वामी जी का शासन में भी लाखों वर्ष पूर्व परमात्मा आदिनाथ से वर्षीतप का चलन चला व आज भी चल रहा है। ट्रस्ट के अध्यक्ष महावीर मेहता ने सभी का स्वागत किया। मंत्री संतोष चौहान ने शिलान्यास विधि की शोभायात्रा के बारे में बताया। भव्य स्नात्र पूजा महावीर दर्शन बालिका मंडल द्वारा एवं विधि विधान से शिलान्यास किया गया। संचालन मीठालाल पावेचा द्वारा किया गया।

ट्रस्ट के गौतम पोरवाल ने भी अपने भाव व्यक्त किए। ट्रस्ट द्वारा शिलान्यास के लाभार्थी परिवार को सम्मानित किया गया। कैलाश संखलेचा ने बताया कि इस अवसर पर भूमिपूजन के लाभार्थी संघवी राजेन्द्रकुमार दांतेवाडिया परिवार सहित ट्रस्ट के पदाधिकारी महावीर मेहता, सुरेंद्र रांका, गौतम मुथा, संतोष चौहान, गजेंद्र चांदावत, महावीर श्री श्रीमाल, नरेश बांठिया, भेरुलाल भंडारी, प्रवीण सोनीगरा, राजेन्द्र दांतेवाडिया एवं ट्रस्टी कार्यकर्ता महिला एवं बालिका मंडल सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर बाबूलाल पोरवाल, इंद्रा नाहर, केके भंसाली,जीतू पोरवाल नए ट्रस्टी बनाए गए।

राजस्थान सरकार ने निवेश प्रोत्साहन योजना पेश की

जयपुर। राजस्थान सरकार ने राज्य में निवेश को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना (रिप्स-2024) पेश की है। यह योजना राजधानी में होने जा रहे 'राइजिंग राजस्थान' वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन-2024 से पहले पेश की गई है। अधिकारियों के अनुसार, नई योजना में रिप्स-2022 में सुधार करते हुए कई क्षेत्रों को शामिल किया गया। यह इन क्षेत्रों में उद्योगों की स्थापना और संचालन का समर्थन करने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करती है। प्रमुख सचिव (उद्योग) अजिताभ शर्मा ने एक बयान में कहा कि रिप्स-2024 में नए उदीयमान क्षेत्रों और विनिर्माण/सेवाओं के प्रमुख क्षेत्रों को शामिल करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। साथ ही पर्यटन कारोबारों, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी)/आईटीईएस कंपनियों और महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप के लिए प्रोत्साहन भी बढ़ाया गया है। इसके अनुसार, नई नीति में जोड़े गए नए क्षेत्रों में हवाई और अंतरिक्ष, रक्षा, ड्रोन, सेमीकंडक्टर, कृषि-प्रौद्योगिकी और अपशिष्ट पुनर्चक्रण शामिल हैं।

तेरापंथ महिला मंडल ने स्कूली बच्चों को दी सत्य व ईमानदारी की सीख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर द्वारा समृद्ध राष्ट्रीय योजना के अंतर्गत संस्कार शाला का पांचवा चरण चामराजपेट स्थित जेएसएस कस्तूरबा स्कूल में आयोजित की गई। अध्यक्ष रिजु डूंगरवाल ने सभी का स्वागत किया। मुख्य वक्ता संगीता गन्ना ने सत्य और ईमानदारी विषय पर प्रस्तुति देते हुए कहा कि सत्य और ईमानदारी जीवन में सफलता की कुंजी है।

ईमानदारी से बोला गया सत्य हमेशा सम्मान पाता है और सत्य बोलने से आत्मा शुद्ध रहती है। सत्य और ईमानदारी से जीने वाला व्यक्ति समाज में आदर पाता है। संगीता गन्ना ने बच्चों से विभिन्न गतिविधियां कराई।

स्कूल में चैस बोर्ड प्रदान किया गया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष लक्ष्मी बोहरा, संयोजिका ताराबाई सेठिया, अध्यापिका श्रुति, प्रिंसिपल योगिनीकुमारी उपस्थित रही। मंत्री ज्योति संचेती ने आभार ज्ञापन किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आमंत्रण पत्रिका विमोचन

बेंगलूरु के मेवाड़ जैन मित्र मंडल द्वारा 3 नवम्बर को 'अपनों से अपनी बात' नामक माता पिता को समर्पित कार्यक्रम पैलेस मैदान के प्रिंसेस गोल्फ में आयोजन किया जा रहा है। मंडल के गौतम मांडोत, प्रवीण दक, अमृत दलाल व कैलाश दलाल ने विधिवत तरीके से कुंकु लगाकर मोली बांधकर आमंत्रण पत्रिका का विमोचन किया। आयोजकों ने बताया कि इस कार्यक्रम में मुख्य कलाकार के रुप में माइंड रीडर अभिषेक आचार्य, गांव के रंग-शहर के संग से अर्बन चौपाल मुंबई वाले, 'वो हाथ कभी न छूटे' से सुनील बाफना विषयक प्रस्तुति देंगे ।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com